राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार, 28 मार्च 2022 वर्ष–4,अंक–61 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मन की बात में बोले मोदी-30 लाख करोड़ का निर्यात ऐतिहासिक, दुनिया देख रही भारत की ताकत

एजेंसी ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आपने सुना होगा कि भारत ने पिछले सप्ताह 400 बिलियन डॉलर यानि 30 लाख करोड़ रुपये की एक्सपोर्ट का टारगेट हासिल किया है। पहली बार सुनने में लगता है कि ये अर्थव्यवस्था से जुड़ी बात है, लेकिन यह अर्थव्यवस्था से भी ज्यादा, भारत के सामर्थ्य, भारत के से जुड़ी बात है। मन की बात कार्यक्रम में देश की जनता से रू-ब-रू होते हुए पीएम मोदी ने कहा कि देश, विराट कदम तब उठाता है जब सपनों से बड़े संकल्प होते हैं । प्रधानमंत्री ने कहा कि जब संकल्पों के लिये दिन-रात ईमानदारी से प्रयास होता है, तो वो संकल्प, सिद्ध भी होते हैं, और आप देखिये, किसी व्यक्ति के जीवन में भी तो ऐसा ही होता है। पीएम मोदी ने कहा कि एक समय में भारत से द्र×श्चश्हह्ल का आंकड़ा कभी 100 बिलियन, कभी डेढ़-सौ बिलियन, कभी 200 बिलियन तक हुआ करता था, अब आज, भारत 400 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया है।

भारत के आयुष स्टार्टअप जल्द ही दुनिया भर में छा जाएंगे

प्रधानमत्री नरेंद्र मोदी ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि देश के आयुष स्टार्टअप बेहतर गुणवत्ता के उत्पाद के साथ जल्द ही दुनिया भर में छा जाएंगे। पीएम मोदी ने आकाशवाणी पर मन की बात कार्यक्रम में कहा कि आयुष स्टार्टअप में एक स्टार्टअप है, कपिवा। यह स्टार्टअप हमारी परम्पराओं के मुताबिक हेल्थी ईटिंग हैबिट पर आधारित है। एक और स्टार्टअप, निरोग-स्ट्रीट भी है। इसका तकनीक आधारित प्लेटफार्म , दुनिया-भर के आयुर्वेदिक डॉक्टर को सीधे लोगों से जोड़ता है। पचास हजार से अधिक प्रैक्टिशनर इससे जुड़े हुए हैं।

इसी तरह, इक्जोरियल ने न केवल अश्वगंधा के उपयोग को लेकर जागरूकता फैलाई है, बल्कि गुणवत्तापूर्ण उत्पाद पर भी बड़ी मात्रा में निवेश किया है। उन्होंने कहा कि भारत के युवा उद्यमियों और भारत में बन रही नई संभावनाओं का प्रतीक है।

संक्षिप्त समाचार

जम्मू-कश्मीर में हिंदुओं, सिखों के नरसंहार की जांच की मांग, सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर

एजेंसी । जम्मू-कश्मीर में 1989 से 2003 के बीच हिंदुओं और सिखों के कथित नरसंहार में शामिल अपराधियों की पहचान करने के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन की मांग को लेकर उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर की गई है। गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) वी द सिटिजन्स द्वारा दायर याचिका में उन हिंदुओं और सिखों की गणना करने का निर्देश देने की भी मांग की गई है, जो जम्मू-कश्मीर में नरसंहार के शिकार हुए हैं या इससे बच निकलने में कामयाब हुए हैं तथा अब भारत के विभिन्न हिस्सों में रह रहे हैं। याचिका में ऐसे लोगों के पुनर्वास के निर्देश की भी मांग की गयी है। याचिका में कहा गया है, याचिकाकर्ता ने कश्मीर के प्रवासियों से जुड़ी किताबों, लेखों और संस्मरणों को पढ़कर शोध किया है। याचिकाकर्ता ने जिन प्रमुख पुस्तकों की जांच की है उनमें जगमोहन द्वारा लिखित माई फ्रोजन टर्बुलेंस इन कश्मीर और राहुल पंडिता द्वारा अवर मून हैज़ ब्लड क्लॉट्स शामिल हैं। ये दो पुस्तकें वर्ष 1990 में भयानक नरसंहार और कश्मीरी हिंदुओं एवं सिखों के पलायन का प्रत्यक्ष विवरण देती हैं। अधिवक्ता बरुण कुमार सिन्हा के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है, ''तत्कालीन सरकार और पुलिस प्रशासन की विफलता और अंततः संवैधानिक तंत्र के पूर्ण रूप से बिखरने को उन पुस्तकों में समाहित किया गया है। तत्कालीन सरकार और राज्य मशीनरी ने हिंदुओं और सिखों के जीवन की रक्षा के लिए बिल्कुल भी प्रयास नहीं किया और देशद्रोहियों, आतंकवादियों, असामाजिक तत्वों को पूरे कश्मीर पर नियंत्रण करने की अनुमति दे दी।

पंजाब में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक विकल्प के रूप में उभरी आपः संजय सिंह

एजेंसी । आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता व सांसद संजय सिंह ने शनिवार को कहा कि पंजाब में हालिया विधानसभा चुनाव की जीत के बाद आप राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक विकल्प के रूप में उभरी है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि राजस्थान भी आप की प्राथमिकताओं में है जहां अगले साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं। पार्टी ने द्वारका (दिल्ली) से विधायक विनय मिश्रा को राजस्थान का चुनाव प्रभारी बनाने की घोषणा की है। सिंह ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''पंजाब में हालिया विधानसभा चुनाव में जीत के बाद पूरे देश में आम आदमी पार्टी की स्वीकार्यता बढ़ी है और उसे राष्ट्रीय स्तर पर विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने कहा, 'कुछ राज्यों का हमने चयन किया है, जहां बहुत तेजी से संगठन का विस्तार होगा और उनमें से एक राज्य राजस्थान भी है। राजस्थान आम आदमी पार्टी की प्राथमिकताओं में है। राजस्थान उसके लिए एक सुनहरा कल लाने वाला है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने विधायक विनय मिश्रा को राजस्थान में चुनाव प्रभारी बनाया है जो राज्य में पार्टी के विस्तार के लिए काम करेंगे। राज्यसभा सांसद ने कहा कि आम आदमी पार्टी के दिल्ली मॉडल की स्वीकार्यता आज पूरे देश में बढ़ रही है। देश के हर हिस्से में लोग चाहते हैं कि दिल्ली की केजरीवाल सरकार का शिक्षा, मोहल्ला क्लिनिक, निःशुल्क बिजली, पानी का मॉडल हमारे प्रदेश में भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कई लोग पार्टी से जुड़ने के लिए संपर्क कर रहे हैं। जल्द ही कुछ बड़ी घोषणाओं के लिए तैयार रहना होगा।

महबूबा ने अपाला पाकिस्तान का राग, कश्मीर को लेकर दिया बड़ा बयान

एजेंसी । पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने भाजपा सरकार से पाकिस्तान और जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ बातचीत का अपना आह्वान दोहराते हुए शनिवार को कहा कि जब तक कश्मीर मुद्दा अनसुलझा रहेगा, तब तक शांति नहीं आएगी। महबूबा ने लोगों से अगले विधानसभा चुनावों में गुपकर घोषणापत्र गठबंधन (पीएजीडी) के घटकों को वोट करने का आह्वान किया जिससे भाजपा के सत्ता हासिल करने के प्रयास को विफल किया जा सके। पीएजीडी नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) सहित कई पार्टियों का एक गठबंधन है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''कश्मीर पिछले 70 सालों से समाधान का इंतजार कर रहा है..जब तक कश्मीर मुद्दा हल नहीं हो जाता, तब तक इस क्षेत्र में शांति नहीं होगी और इसके लिए पाकिस्तान और जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ बातचीत जरूरी है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी प्रमुख महबूबा ने जम्मू के अपने सप्ताह भर के दौरे के आखिरी दिन रामबन में एक कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह सवाल किया, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, दोनों पाकिस्तान गए, लेकिन जब हम इसके बारे में (पड़ोसी देश के साथ बातचीत करने) बात करते हैं कि वे (भाजपा) क्षुब्ध क्यों हो जाते हैं। महबूबा ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार केंद्र शासित प्रदेश के अंदर और बाहर युवाओं को जेल भेजकर सिर्फ दमन की भाषा बोल रही है। महबूबा ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार केंद्र शासित प्रदेश के अंदर और बाहर युवाओं को जेल भेजकर सिर्फ दमन की भाषा बोल रही है। भाजपा को उसके इस दावे को लेकर आड़े हाथ लेते हुए कि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद पार्टी ने सब कुछ ठीक कर दिया है, उन्होंने कहा, ' बाद पार्टी ने सब कुछ ठीक कर दिया है, उन्होंने कहा, ''अगर उनका दावा सही है, तो कश्मीर में 10 लाख सैनिकों को तैनात करने की क्या आवश्यकता है?

प्रमोद सावंत सोमवार को लेंगे गोवा के मुख्यमंत्री पद की शपथ, समारोह में शामिल होंगे प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी ।

हाल में संपन्न गोवा विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 20 सीटें दिलाने वाले तीन बार के विधायक प्रमोद सावंत सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में दूसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। शपथ ग्रहण समारोह यहां पास के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में सुबह 11 बजे होगा। सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि इस समारोह में प्रधानमंत्री मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मौजूद रहेंगे। स्टेडियम में होने वाले कार्यक्रम में 10,000 से अधिक लोगों के शामिल होने की संभावना है और राज्य में शपथ ग्रहण समारोह का प्रसारण विभिन्न समाचार चैनलों के माध्यम से भी किया जाएगा। हालांकि, भाजपा सोमवार को शपथ लेने वाले अन्य कैबिनेट मंत्रियों की संख्या को लेकर अब तक खामोश रही है। संपर्क किए जाने पर सावंत ने रविवार सुबह कहा, ''आपको इसके बारे में कल पता चलेगा। अभी, मुझे नहीं पता कि कितने मंत्री शपथ लेंगे। मुख्यमंत्री के अलावा, गोवा कैबिनेट में 11 और मंत्री हो सकते हैं। यह दूसरी बार होगा जब गोवा के मुख्यमंत्री राजभवन परिसर के बाहर शपथ लेंगे। मनोहर पर्रिकर ने 2012 में राज्य की राजधानी पणजी के कैंपल मैदान में मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी, उस वक्त भाजपा सदन में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी। अधिकारियों ने पहले बताया था कि राज्यपाल पी एस श्रीधरन पिल्लई ने 29 मार्च से नई विधानसभा का दो दिवसीय सत्र बुलाया है, इस दौरान सावंत को विश्वास मत हासिल करना होगा। उन्होंने कहा कि सत्र के दौरान विधानसभा का नया अध्यक्ष भी

चुना जाएगा, जिसमें विधेयकों को पारित करने और लेखानुदान सहित कई विधायी कार्यों को पूरा किए जाने की उम्मीद है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष ने जहां विधायक अलेक्सो सिकेरा को अध्यक्ष पद के लिए नामित किया है, वहीं भाजपा के रविवार को अपने उम्मीदवार की घोषणा करने की उम्मीद है। हाल में संपन्न राज्य के चुनाव में भाजपा ने 20 सीटों पर जीत हासिल की, जो 40 सदस्यीय सदन में बहुमत से एक कम है। तीन निर्दलीय विधायकों और महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी (एमजीपी) के दो विधायकों ने भाजपा को समर्थन दिया है। सावंत (48) उत्तरी गोवा के सांखालिम से विधायक हैं। 2017 में जब मनोहर पर्रिकर के नेतृत्व में भाजपा ने अपनी सरकार बनाई तो उन्हें विधानसभा अध्यक्ष चुना गया। उन्होंने पर्रिकर के निधन के बाद मार्च 2019 में पहली बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। सावंत पेशे से एक आयुर्वेद चिकित्सक हैं।

गुजरात में बनी देश की पहली स्टील सड़क, 6 लेन वाली इस रोड की खास बात

एजेंसी । गुजरात के सूरत में स्टील की सड़क बनाई गई है। देश में पहली बार ऐसा प्रयोग किया गया है। यह सड़क हजीरा इंडस्ट्रीयल एरिया में बनाई गई है। वैसे, ये पढ़कर आपको लग रहा होगा कि पूरी सड़क स्टील की है और इसे बनाने के लिए स्टील की कोई चादर बिछाई गई होगी, तो ऐसा बिल्कुल नहीं है। दरअसल, इसे देश भर में स्टील प्लांट से निकलने वाले कचरे से बनाया गया है। आंकड़ों के अनुसार देश में हर साल अलग-अलग स्टील प्लांट से करीब 19 मिलिनय टन कचरा निकलता है। हालात ये हो गए हैं कि स्टील के कचरे के पहाड़ जैसे कई ढेर लग गए हैं। ऐसे में ये नया प्रयोग शुरू किया गया है। कई रिसर्च के बाद गुजरात में स्टील के कचरे से 6 लोन की सड़क प्रयोग के तौर पर बनाई गई है। स्टील कचरे से फिलहाल केवल एक किलोमीटर लंबी सड़क ही बनाई गई है। उम्मीद जताई जा रही है कि सबकुछ ठीक रहा तो भविष्य में देश में हाईवे और सड़क आदि बनाने के लिए स्टील कचरे का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे विकास कार्य को तेजी तो मिलेगी ही, साथ ही स्टील के कचरे से भी निजात मिल सकेगी। यह वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद और केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान सहित इस्पात मंत्रालय और नीति आयोग की सहायता से तैयार किया गया ।

रजत जयंती के समापन समारोह में बोले रामनाथ कोविंद- उत्तराखंड की इस पावन धरती की महिमा अनन्य है

हरिद्वार। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने हरिद्वार में दिव्य प्रेम सेवा मिशन के रजत जयंती के समापन समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान राज्यपाल राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद रहे। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि उत्तराखंड की इस पावन धरती की महिमा अनन्य है, प्राचीन काल से ही लोग इस पवित्र भूमि पर पहुंचकर शांति और ज्ञान प्राप्त करते थे। मां गंगा के इस पवित्र परिक्षेत्र में आकर भारत की अतुलनीय आध्यात्मिक परंपरा को मैं बार-बार नमन करता हूं।

मैं राष्ट्रपति पद का प्रस्ताव कभी स्वीकार नहीं करूंगी: मायावती

लखनऊ।

बहुजन समाज पार्टी (क्чस्क) अध्यक्ष मायावती ने रविवार को आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस ने उनके समर्थकों को गुमराह करने के लिए यह झूठा प्रचार किया था कि अगर उत्तर प्रदेश विधानसभा में भाजपा को जीतने दिया गया, तो बहन जी को राष्ट्रपति बनाया जाएगा। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने यह भी साफ कर दिया कि वह किसी भी पार्टी से इस तरह के प्रस्ताव को कभी स्वीकार नहीं करेंगी। पार्टी की विधानसभा चुनाव में पराजय के बाद बसपा प्रमुख मायावती रविवार को यहां पहली बार आयोजित पदाधिकारियों, प्रमुख कार्यकर्ताओं और पूर्व प्रत्याशियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने कहा इस चुनाव में बसपा को कमजोर करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक सोची समझी साजिश के तहत काम किया। मायावती ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में हार का कारण बताते हुए कहा, ''भाजपा ने अपने संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के जरिये हमारे लोगों में यह गलत प्रचार कराया कि उप्र में बसपा की सरकार नहीं बनने पर हम आपकी बहन जी को देश का राष्ट्रपति बनवा देंगे, इसलिए आपको भाजपा को सत्ता में आने देना चाहिए। बसपा मुख्यालय से जारी बयान के अनुसार उन्होंने कहा कि उनके लिए राष्ट्रपति बनना तो बहुत दूर की बात है, वह इस बारे में सपने में भी नहीं सोच सकतीं। बसपा प्रमुख ने कहा कि इनको यह भी मालूम है कि बहुत पहले ही मान्यवर कांशीराम ने उनका यह प्रस्ताव ठुकरा दिया था और मैं तो उनके पदचिह्नों पर चलने वाली उनकी मजबूत शिष्या हूं। उन्होंने कहा कि जब कांशीराम ने यह पद स्वीकार नहीं किया, तो भला फिर वह कैसे यह पद स्वीकार कर सकती हैं। उन्होंने दावा किया कि वह अपनी पार्टी और आंदोलन के हित में कभी भी भाजपा या अन्य किसी पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद स्वीकार नहीं कर सकतीं। उन्होंने कहा कि अब मेरा जीवन ही संघर्ष है और संघर्ष ही मेरा जीवन है, अर्थात अब मेरी जिंदगी का एक-एक पल पूरे देश में अपनी पार्टी को हर स्तर पर मजबूत बनाने पर ही लगेगा। बसपा अध्यक्ष ने अति पिछड़े वर्गों, मुस्लिम व अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों तथा अगड़ी जातियों के गरीब और पीड़ित लोगों को भी जोड़ने पर जोर दिया। उल्लेखनीय है कि सात चरणों में हुए उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की मतगणना 10 मार्च को हुई और प्रदेश की 403 सीट में बसपा को मात्र एक सीट पर जीत मिली। पिछले वर्ष 2017 के चुनाव में बसपा ने केवल 19 सीट पर जीत दर्ज की थी। लेकिन इस बार चुनाव आने तक पार्टी के अधिकांश विधायक समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गये। वर्ष 2007 में मायावती के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में बहुमत की सरकार बनाने वाली बसपा के लिए इस बार का चुनाव परिणाम बेहद निराशा जनक रहा है।

उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज का एकतरफा वोट लेकर तथा दर्जनभर दलों व संगठनों के गठबंधन से चुनाव लड़ने के बावजूद सपा सत्ता में आने से काफी दूर रह गई है। ऐसे में सपा कभी भी सत्ता में वापस नहीं आ सकती है और ना ही यह पार्टी भाजपा को सत्ता में आने से रोक सकती है। मायावती ने यह भी दावा किया कि अब मुस्लिम समाज के लोग सपा को वोट देकर पछता रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुसलमानों की कमजोरी का सपा बार-बार फायदा उठा रही है, इसलिए दिशाहीन लोगों को सपा के शिकंजे से बाहर निकाल कर अपनी पार्टी में पुनः वापस लाने का प्रयास करना है।

2024 के लोकसभा चुनावों के लिए क्षेत्रीय आयुक्तों की नियुक्ति पर सरकार

एजेंसी ।

चुनाव आयोग (ईसी) के पास इष्टतम जनशक्ति होने की वकालत करते हुए एक संसदीय समिति ने 2024 के लोकसभा चुनावों में आयोग की मदद के लिए क्षेत्रीय आयुक्तों की नियुक्ति पर सरकार और चुनाव आयोग के विचार मांगे हैं। विभिन्न चुनावों में चुनाव आयोग की सहायता के लिए क्षेत्रीय आयुक्तों को नियुक्त करने का संविधान में प्रावधान है। वर्ष 1951 में पहले लोकसभा चुनाव के दौरान, मुम्बई (तब बम्बई) और पटना में छह महीने के लिए क्षेत्रीय आयुक्त नियुक्त किए गए थे। उसके बाद, ऐसी कोई तैनाती नहीं की गयी। केंद्रीय कानून मंत्रालय में विधायी विभाग के लिए अनुदान मांगों (2022-23) पर अपनी रिपोर्ट में, कानून और कार्मिक मामलों पर संसदीय स्थायी समिति ने कहा कि उसने संवैधानिक प्रावधानों और चुनाव आयोग के उस मशविरे का संज्ञान लिया है, ।

जिसमें उसने कहा है कि जरूरत पड़ने पर राष्ट्रपति द्वारा क्षेत्रीय आयुक्तों को नियुक्त किया जा सकता है। समिति ने कहा कि हालांकि, पहले आम चुनावों के बाद, उनकी (क्षेत्रीय आयुक्तों की) नियुक्ति नहीं की गयी। सुशील मोदी की अध्यक्षता वाली समिति ने कहा, ''समिति का विचार है कि भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के पास अपनी आवश्यकताओं के अनुसार इष्टतम अधिकारी होने चाहिएं और तदनुसार, समिति भारत के विधायी विभाग / चुनाव आयोग को वर्ष 2024 में लोकसभा के लिए होने वाले आम चुनावों के वास्ते क्षेत्रीय आयुक्तों की नियुक्ति पर अपने विचार प्रस्तुत करने की सिफारिश करती है। चुनाव आयोग से संबंधित मुद्दों से निपटने के लिए विधायी विभाग यह रिपोर्ट पिछले सप्ताह बजट सत्र में संसद में पेश की गई थी।

ममता सरकार का सभी कर्मचारियों को फरमान, 28 और 29 मार्च को हड़ताल के दौरान ड्यूटी पर आना होगा

एजेंसी । पश्चिम बंगाल सरकार ने शनिवार को अपने सभी कर्मचारियों को 28 और 29 मार्च को 48 घंटे की देशव्यापी हड़ताल के दौरान ड्यूटी पर आने को कहा और ऐसा नहीं किये जाने पर उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार, जो अपनी आधिकारिक नीति के रूप में बंद का विरोध करती रही है, ने कहा कि बीमारी या परिवार में मृत्यु जैसी आपात स्थितियों को छोड़कर कर्मचारियों को कोई आकस्मिक अवकाश नहीं दिया जाएगा। वाममोर्चा, कांग्रेस से संबंधित श्रमिक संघों समेत कई संघों ने केंद्र की आर्थिक नीतियों के खिलाफ दो दिवसीय देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। हालांकि इनमें भारतीय जनता पार्टी और टीएमसी से संबंधित श्रमिक संघ शामिल नहीं है। राज्य सचिवालय से जारी अधिसूचना में प्रमुख सचिव मनोज पंत ने कहा कि कोई भी कर्मचारी बिना अनुमति के इन दो दिनों या किसी अन्य दिन अनुपस्थित रहने पर स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। अधिसूचना में कहा गया है, ''28 और 29 मार्च, 2022 को 48 घंटे की राष्ट्रव्यापी हड़ताल के लिए विभिन्न ट्रेड यूनियनों और अन्य लोगों द्वारा दिए गए आह्वान के मद्देनजर, यह निर्णय लिया गया है कि सभी राज्य सरकार के कार्यालय खुले रहेंगे और सभी कर्मचारी उन दिनों ड्यूटी पर आयेंगे। इसमें कहा गया है, ''यह निर्णय लिया गया है कि उपरोक्त तारीखों पर किसी भी कर्मचारी को कोई आकस्मिक छुट्टी या कोई अन्य कोई छुट्टी नहीं दी जाएगी। अधिसूचना में कहा गया है कि कारण बताओ नोटिस का जवाब नहीं देने वालों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसमें कहा गया है कि इस आदेश के संबंध में सभी कार्रवाई 13 अप्रैल तक पूरी की जानी चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार जब तक आप खुद पर विश्वास नहीं करते तब तक आप भगवान पर विश्वास नहीं कर सकते। - स्वामी विवेकानंद

संपादकीय

बड़े प्रदेश की उम्मीदें

उत्तर प्रदेश ने अपनी राजनीति का नया इतिहास लिख दिया है। इतने विशाल प्रदेश में एक मुख्यमंत्री और उनकी पार्टी की सत्ता का कायम रहना अपने आप में अध्ययन और अनुकरण का विषय है। कड़ी चुनावी टक्कर में यह एक ऐसी सरकार की बेहतरीन वापसी है, जिससे प्रदेश को बड़ी उम्मीदें हैं। उत्तर प्रदेश में भाजपा की जीत ने पहले ही यह साबित कर दिया है कि यहां भाजपा के नेताओं के प्रति आभार भाव कायम था, इसलिए जनता ने सीटें भले कम कर दीं, पर फिर शासन का मौका दिया। इस आभार भाव की जरूरत बनी रहनी चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उचित ही कहा है कि 'प्रदेश में वंशवाद और जातिवाद की राजनीति नहीं चलेगी। हमने सुशासन और गरीब कल्याण के लिए काम किया। अब हम लोगों की आय को दोगुनी करेंगे। प्रदेश को नंबर वन अर्थव्यवस्था बनाएंगे।' दरअसल, अर्थव्यवस्था ही वह कमजोर नब्ज है, जहां सरकार की वास्तविक परख होने वाली है। अगर मुख्यमंत्री प्रदेश को नंबर वन अर्थव्यवस्था बनाने का सपना देख रहे हैं, तो उनका सहर्ष स्वागत है। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य का विकास देश की चंद बहुत बड़ी चुनौतियों में शुमार है। यहां विकास की बुनियादी रूपरेखा को और दुरुस्त करने की जरूरत है। यमुना एक्सप्रेसवे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे जैसी बड़ी परियोजनाओं के पूरा होने से प्रदेश में विकास की बुनियाद सशक्त हुई है। आज उत्तर प्रदेश के पास ऐसा बहुत कुछ है, जिस पर सब गर्व कर सकते हैं। अभी जो परियोजनाएं चल रही हैं, उन्हें जल्द पूरा करने पर प्रदेश सरकार का जोर होना चाहिए। चुनाव अगर श्रेय लेने का समय होता है, तो जनता ने योगी आदित्यनाथ और उनकी सरकार को श्रेय दे दिया है, लेकिन अब फिर काम में लग जाने का समय है। विधायक दल को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने जो सकारात्मक बातें की हैं, उनको साकार करने में सरकार को लग जाना चाहिए। उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर रोजगार की जरूरत है, तो राज्य सरकार को ऐसे तमाम प्रबंध करने चाहिए, जिनसे प्रदेश में निवेश बढ़े। भौगोलिक और व्यावसायिक लिहाज से उत्तर प्रदेश एक बेहतर जगह है, पर इस प्रदेश को जितना मिलना चाहिए, उतना नहीं मिला है। भारी राजनीतिक बढ़त या वजूद को आर्थिक विकास में तब्दील करने का वक्त आ गया है। डबल इंजन की सरकार है और उत्तर प्रदेश के लिए इससे अच्छा मौका अब कब आएगा? मुख्यमंत्री प्रदेश की व्यवस्था को जातिवाद से अगर थोड़ा भी निकाल सके, तो यह उनका बड़ा योगदान होगा। इस प्रदेश के दामन पर जातिवाद के दाग अक्सर लगते रहते हैं, कोई भी उत्तर प्रदेश की निंदा करने लगता है या नकारात्मक मिसालें देने लगता है। अत- सबके विकास पर फोकस करते हुए चलना होगा। प्रदेश मंत्रिमंडल में अब मुख्यमंत्री सहित 53 मंत्री व राज्यमंत्री हैं। कामकाज के अलावा राजनीतिक समीकरण देखते हुए मंत्री बनाए जाते हैं, लेकिन अब सबका एजेंडा उत्तर प्रदेश का विकास होना चाहिए। उत्तर प्रदेश ने एक सशक्त नेता चुना है, तो उसका पूरा लाभ भी प्रदेश को मिलना चाहिए। लोग यही उम्मीद करेंगे कि आगामी पांच वर्ष शांति से प्रदेश के सुखद कायाकल्प को समर्पित हो जाएं, ताकि लोग उत्तर प्रदेश की और ज्यादा सकारात्मक मिसालें देने लगें। प्रदेश के मुख्यमंत्री के इस कथन का पुरजोर स्वागत है कि हमें अपने राज्य की बेहतरी के लिए फिर से मिलकर काम करना होगा।

आज के कार्टून

आत्मीयता

श्रीराम शर्मा आचार्य

लोग क्या कहते हैं-इस आधार पर दुःखी होने की आदत डालेंगे तो सदैव दुःख भोगना पड़ेगा। यह संभव नहीं कि सब लोग वैसे ही आचरण करें जैसा आप चाहते हैं। हम क्या करते हैं-इस आधार पर सुखी होने की आदत डालेंगे तो सदैव सुख ही सुख सामने पड़ेगा। अपने को मनमर्जी का बनाना अपने हाथ में है। इससे कौन रोक सकता है कि हम सबको अपना समझें, प्यार करें और उस प्यार एवं अपनेपन के कारण जो आनंद उपजे उसका उपयोग करें। अपने प्रेम भाव के कारण बहुत अंशों में दूसरों का व्यवहार नरम, मधुर, सुखकर हो जाता है। कदाचित अपवाद उपस्थित हो, किसी ऐसे जड़ से पाला पड़े जो उलटा ही उलटा चलता हो तो उसकी गतिविधियों को उपेक्षा की दृष्टि से देखिए। आप तो अपने कर्त्तव्य में प्रसन्न रहिए। संसार में अनेक दुष्टात्मा भरे पड़े हैं, उनके होने से आपको कुछ बड़ा भारी शोक-संताप नहीं होता। फिर क्या कारण है कि अमुक व्यक्ति के दोषों का दंड आप अपने को दें। दूसरों के बुरे विचार और कार्यों से अपने को प्रभावित मत होने दीजिए। सहनशीलता और समझौते की नीति से काम लीजिए। बदला या कर्ज चाहने की इच्छा छोड़कर विशुद्ध प्रेम का, आत्मभाव का प्रसार कीजिए। इससे आप अपने लिए एक स्वर्ग की रचना बड़ी आसानी से कर सकेंगे। आध्यात्मिक साधना में अहंभाव का विस्तार करना-यह तत्त्व प्रधान रूप में विद्यमान है। आत्मोन्नति ही तो है कि अपनेपन के दायरे को छोटे से बड़ा बनाया जाए। जिनका अपनापन केवल अपने शरीर तक ही है वे कीट-पतंग की नीची श्रेणी के हैं, जो अपनी संतान तक आत्मभाव को बढ़ाते हैं वे पशु-पक्षी से कुछ ऊंचे हैं, जिनका अहंकार अपनी संस्था, राष्ट्र तक है। वे मनुष्य हैं, जो मानव जाति को अपनेपन से ओत-प्रोत देखते हैं, वे देवता हैं, जिनकी आत्मीयता चर-अचर तक विस्तृत है, वे जीवन-मुक्त परम सिद्ध हैं। जीव अणु है, छोटा है, सीमित है। ईश्वर महान है, विभु है, व्यापक है। जीव ईश्वर में तद्रूप होने के लिए आगे बढ़ता है तो वह भी महानता, विभुता, व्यापकता के गुणों में समन्वित होने लगता है। जिन पर भूत चढ़ता है, उनके वचन-आचरण भूत जैसे हो जाते हैं, ईश्वरीय कृपा की किरण जिन महात्माओं पर पड़ती है, उनकी स्पष्ट पहचान 'आत्मभाव का विस्तार' है।

गुड़ी पड़वा-नवसंवत्सर-नववर्ष-वर्ष प्रतिपदा

(लेखक-- मानसश्री डॉ. नरेन्द्रकुमार मेहता)

गुड़ी पड़वा या नववर्ष क्या है? चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा को गुड़ी पड़वा या नववर्ष का आरम्भ माना गया है। 'गुड़ी' का अर्थ होता है विजय पताका । ऐसा माना गया है कि शालिवाहन नामक कुम्हार के पुत्र ने मिट्टी के सैनिकों का निर्माण किया और उनकी एक सेना बनाकर उस पर पानी छिड़ककर उनमें प्राण फूँक दिये। उसमें सेना की सहायता से शक्तिषाली शत्रुओं को पराजित किया। इसी विजय के उपलक्ष्य में प्रतीक रूप में ''षालिवाहन शक' का प्रारम्भ हुआ। पूरे महाराष्ट्र में बड़े ही उत्साह से गुड़ी पड़वा के रूप में यह पर्व मनाया जाता है। कष्मीरी हिन्दुओं द्वारा नववर्ष के रूप में एक महत्वपूर्ण उत्सव की तरह इसे मनाया जाता है। इसे हिन्दू नव संवत्सर या नव संवत् भी कहते हैं। ऐसी मान्यता है कि भगवान ब्रह्मा ने इसी दिन सृष्टि की रचना प्रारम्भ की थी। इसी दिन से विक्रम संवत् के नये साल का आरम्भ भी होता है। सिंधी नववर्ष चेटीचंड उत्सव से शुरू होता है जो चैत्र शुक्ल द्वितीया को मनाया जाता है। सिंधी मान्यताओं के अनुसार इस शुभ दिन भगवान् झूलेलाल का जन्म हुआ था जो वरूण देव के अवतार हैं। आज भी हमारे देष में प्रकृति, षिक्षा तथा राजकीय कोष आदि के चालन-संचालन में मार्च अप्रेल के रूप में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को ही देखते हैं। यह समय दो ऋतुओं का संधिकाल माना जाता है। इसमें रात्रि छोटी और दिन बड़े होने लगते हैं। प्रकृति एक नया रूप धारण कर लेती है। ऐसा प्रतीत होता है कि प्रकृति नव पल्लव धारण कर नव संरचना के लिए ऊर्जावान हो रही हो। मानव, पशु-पक्षी यहाँ तक की जड़-चेतन प्रकृति भी प्रमाद एवं आलस्य का परित्याग कर सचेतन हो जाती है। इसी समय बर्फ पिघलने लग जाती है। आमों पर बौर लगना प्रारम्भ हो जाता है। प्रकृति की हरितिमा नवजीवन के संचार का प्रतीक बनकर हमारे जीवन से जुड़ सी जाती है। इसी दिन प्रतिपदा के दिन आज से 2074 वर्ष पूर्व उज्जयिनी नरेष महाराज विक्रमादित्य ने विदेषी आक्रांत शकों से भारत भूमि की रक्षा की और इसी दिन से कालगणना प्रारम्भ की गई। उपकृत राष्ट्र ने भी उन्हीं महाराज के नाम से विक्रमीसंवत् का नामकरण किया। महाराज विक्रमादित्य ने आज से 2074 वर्ष पूर्व राष्ट्र को सुसंगठित कर शकों की शक्ति का जड़ से उन्मूलन कर देश से पराजित कर भगा दिया और उनके मूल स्थान अरब में विजय की पताका फहरा दी। साथ ही साथ यवन, हूण, तुषार, पारसिक तथा कम्बोज देशों पर अपनी विजय ध्वजा फहरा दी। इन्हीं विजय की स्मृति स्वरूप वर्ष प्रतिपदा संवत्सर के रूप में मनाई जाती रही और आज भी बड़े उत्साह एवं ऐतिहासिक धरोहर की स्मृति के रूप में मनाई जा रही है। इनके राज्य में कोई चोर या भिखारी नहीं था। विक्रमादित्य ने विजय के बाद जब राज्यारोहण हुआ तब उन्होंने प्रजा के तमाम ऋणों को माफ कर दिया तथा नये भारतीय कैलेण्डर को जारी किया, जिसे विक्रम संवत् नाम दिया। सबसे प्राचीन काल गणना के आधार पर ही प्रतिपदा के दिन विक्रमी संवत् के रूप में इस शुभ एवं शौर्य दिवस को अभिषिक्त किया गया है। इसी दिन मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान् श्रीरामचन्द्रजी के राज्याभिषेक अथवा रोहण के रूप में मनाया गया। यह दिन वास्तव में असत्य पर सत्य की विजय को याद करने का दिवस है। इसी दिन महाराज युधिष्ठिर का राज्याभिषेक हुआ था। इसी शुभ दिन महर्षि दयानन्द ने आर्यसमाज की स्थापना की थी। यह दिवस राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक श्री केशव बलिराम हेडगेवार के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है। पूरे भारत में इसी दिन से चैत्र नवरात्र की शुरूआत मानी जाती है।

हम कैसे मनायें नव वर्ष-नव संवत्सर

नव वर्ष की पूर्व संध्या पर दीपदान करना चाहिये। घरों में शाम को 7 बजे लगभग घण्टा-घडियाल व शंख बजाकर मंगल ध्वनि से नव वर्ष का स्वागत करें। इष्ट मित्रों को एसएमएस, इमेल एवं दूरभाष से नये वर्ष की शुभकामना भेजना प्रारम्भ कर देना चाहिये। नव वर्ष के दिन प्रातःकाल से पूर्व उठकर मंगलाचरण कर सूर्य को प्रणाम करें। हवन कर वातावरण शुद्ध करें। नये संकल्प करें। नवरात्रि के नो दिन साधना के शुरू हो जाते हैं तथा नवरात्र घट स्थापना की जाती है। नव वर्ष का स्वागत करने के लिए अपने घर-द्वार को आम के पत्तों से अशोक पत्र से द्वार पर बन्दनवार लगाना चाहिये। नवीन वस्त्राभूषण धारण करना चाहिये। इसी दिन प्रातःकाल स्नान कर हाथ में गंध, अक्षत, पुष्प और जल ले कर 'ओम भूर्भुवः स्वः संवत्सर-अधिपति आवाहयामि पूजयामि च' मंत्र से नव संवत्सर की पूजा करनी चाहिये एवं नव वर्ष के अशुभ फलों के निवारण हेतु ब्रह्माजी से प्रार्थना करनी चाहिये। हे भगवन्! आपकी कृपा से मेरा यह वर्ष मंगलमय एवं कल्याणकारी हो। इस संवत्सर के मध्य में आने वाले सभी अनिष्ट और विघ्न शांत हो जाये।

नव संवत्सर के दिन नीम के कोमल पत्तों और ऋतु काल के पुष्पों का चूर्ण बनाकर उसमें काली मिर्च, नमक, हींग, जीरा, मिश्री, इमली और अजवाइन मिलाकर खाने से रक्त विकार आदि शारीरिक रोग होने की संभावना नहीं रहती है तथा वर्षभर हम स्वस्थ रह सकते हैं। इतना न कर सके तो कम-से-कम चार-पाँच नीम की कोमल पत्तियाँ ही सेवन कर ले तो पर्याप्त रहता है। इससे चर्मरोग नहीं होते हैं। महाराष्ट्र में तथा मालवा में पूरनपोली या मीठी रोटी बनाने की प्रथा है। महाराष्ट्रियन समाज में गुड़ी सजाकर भी बाहर लगाते हैं। यह गुड़ी नव वर्ष की पताका का ही स्वरूप है। सच तो यह है कि विक्रम संवत् ही हमें अपनी संस्कृति की याद दिलाता है और कम से कम इस बात की अनुभूति तो होती है कि भारतीय संस्कृति से जुड़े सारे समुदाय इसे एक साथ बिना प्रचार प्रसार और नाटकीयता से परे हो कर मनाते हैं। हम सब भारतवासियों का कर्श्रव्य है कि पूर्ण रूप से वैज्ञानिक और भारतीय कैलेण्डर विक्रम संवत् के अनुसार इस दिन का स्वागत करें। पराधीनता एवं गुलामी के बाद अंग्रेजों ने हमें एक ऐसा रंग चढ़ाया कि हम अपने नव वर्ष को भूल कर-विस्मृत कर उनके रंग में रंग गये। उन्हीं की तरह एक जनवरी को नव वर्ष अधिकांश लोग मनाते आ रहे हैं। लेकिन अब देशवासी को अपनी भारतीयता के गौरव को याद कर नव वर्ष विक्रमी संवत् मनाना चाहिये जो आगामी 29 मार्च को है। आप सभी को नव वर्ष की अनेक-अनेक शुभकामनाएँ यह वर्ष भारतीयों के लिये ही नहीं अपितु सम्पूर्ण विश्व के लिये भी सुख, शांति एवं मंगलमय हो।

विधायक बनते ही जनमुद्दों पर मुखर हुई अनुपमा रावत!

(लेखक-डॉ श्रीगोपाल नारसन)

उत्तराखंड में पहली बार हरिद्वार जिले के हरिद्वार ग्रामीण क्षेत्र से विधायक बनकर अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत करने वाली पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की बेटी अनुपमा रावत श्यामपुर थाना पुलिस द्वारा किए जा रहे कांग्रेस से जुड़े परिवारों के कथित उत्पीड़न को लेकर पुलिस पर नाराज हो गईं। उन्होंने अपनी नाराजगी दर्शाने और अपनी बात उच्चाधिकारियों व सरकार तक पहुंचाने के लिए 'गांधीगिरी' का रास्ता अपनाया है। अनुपमा रावत गांधीजी की तस्वीर के साथ श्यामपुर थाना परिसर में ही अकेले धरने पर बैठ गईं। जैसे ही उनके धरने पर बैठने की जानकारी उनके समर्थकों को मिली तो वे सब भी थाने आकर उनके साथ धरने पर बैठ गए। विधायक अनुपमा रावत का आरोप है कि पुलिस उनके समर्थकों को बीजेपी के इशारे पर परेशान कर रही है और उनसे दुश्मनी निकाल रही हैं क्योंकि उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के करीबी स्वामी यतीश्वरानंद को चुनाव में करारी शिकस्त दी है। अनुपमा रावत का कहना है कि, चुनाव जीतने के बाद से ही पुलिस आए दिन उनके समर्थकों को घरों से उठा रही है। यहां तक कि उनके छोटे बच्चों तक को बख्शा नहीं जा रहा है और एक बच्चे को स्कूल से ही पुलिस उठा ले गई। जिसे थाने ले जाकर धमकाया गया। उनका कहना है कि जो पीड़ित हैं उनको ही थाने में बैठाया जा रहा है। वो ये अन्याय बर्दाश्त नहीं करेंगी। उन्होंने साफ कहा कि ये देश गांधी जी के आदर्शों पर चलता है और इसलिए वो भी उन्हीं की तस्वीर लेकर न्याय के लिए थाने में बैठी । वही वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर विधायक अनुपमा रावत को समझाने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने श्यामपुर थाने एसएचओ को तत्काल हटाए जाने की मांग करने के साथ ही और पूरे मामले की जांच कराने की मांग को पूरा करने के लिए कहा है। उन्होंने यह भी कहा कि 10 साल विधायक और मंत्री रहने के बाद अब जनता ने यतिस्वरानंद को नकार दिया तो वह अनुपमा रावत को वोट देने वालों से बदला लेना चाहते हैं। विकास के काम ना कर पाए इसके लिए उन्हें परेशान किया जा रहा है। अभी भले ही विधायक अनुपमा रावत की उम्र कम हो, लेकिन उनमे राजनीतिक परिपक्वता किसी बड़े राजनेता से कम नही है। जनसमस्याएं लेकर आएं लोगो की बातों को वे ध्यान पूर्वक सुनती है और फिर उसपर तत्काल कार्यवाही करना उनकी आदत में शामिल हो गया है। महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव विधायक अनुपमा रावत जिनपर राहुल गांधी ने सन 2018 में भरोसा कर उन्हें पहले महिला कांग्रेस में राष्ट्रीय स्तर का महत्वपूर्ण पद दिया,जिसपर वे पूरी तरह से खरी उतरी है। राजनीति में कुछ लोग उन्हें कांग्रेस नेता पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की बेटी के रूप में देखते है ,लेकिन यदि उनका हरीश रावत से इतर राजनीतिक आंकलन किया जाए तो उनकी गिनती उन संघर्षशील युवा नेताओं में होती है,जो अपना रास्ता बगैर किसी बैशाखी के स्वयं तैयार कर रहे है। तभी तो उनकी प्रतिभा के बल पर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने उन्हें हरिद्वार ग्रामीण क्षेत्र से टिकट दिया और वे तत्कालीन केबिनेट मंत्री को हराकर विधानसभा जा पहुंची। वे अपने पिता हरीश रावत के कामो में भी हाथ बटाती है,उनसे मिलने आए लोगो का स्वागत सत्कार करती है और हरीश रावत की अनुपस्थिति में यदि किसी को तत्कालिक मदद की आवश्यकता हो तो वह भी करने से पीछे नही हटती। एक ग्रहणी के रूप में घर पर पर्याप्त समय भी बिताती है,अपने बेटे के बचपन को भी जीती है,अपनी मां के ममत्व की छांव का सुख लेना भी नही भूलती ,वही पिता की हर छोटी बड़ी आवश्यकताओं में सहायक बनकर सबसे आगे खड़ी नज़र आती है। इन सबके साथ जब एक राजनीतिक व्यक्तित्व व विधायक के रूप में वह जनता के बीच होती है तो उनके दुःख दर्द की साक्षी बनकर उन्हें दूर करने के लिए जीजान लगा देती है। उन्हें दो घड़ी चैन से बैठना नही भाता । अपने मधुर व्यवहार ,कर्मठता और संघर्ष के बलबूते उन्होंने अपने समर्थकों की एक बड़ी टीम खड़ी कर ली है। जो भविष्य में ओर अधिक ऊंचाइयों में उनकी सफलता का आधार बनेगी। अनुपमा रावत कांग्रेस की रीति नीति पर चलकर आमजन को जागरूक कर कांग्रेस के पक्ष में वातावरण निर्माण करने में जुटी है। वे मानती है कि उत्तराखंड जिसको बनाने में सर्वाधिक योगदान नारी शक्ति का रहा है,उसी नारी शक्ति को अभी तक वह सम्मान व हक नही मिल पाया,जो उसे मिलना चाहिए था। हालांकि हरीश रावत सरकार के समय नवजात बच्चियों के हित संरक्षण को लेकर लागू हुई योजनाओं से लेकर किशोरियों,युवतियों, महिलाओं और वर्द्धाओ के सम्बंध में चलाई गई कल्याणकारी योजनाओं को लेकर वे खासा उत्साहित रही। लेकिन साथ ही चाहती है कि दूरस्थ पहाड़ से लेकर मैदान तक उत्तराखंड की हर नारी के चेहरे पर मुस्कान हो। इसी मुस्कान को लाने के लिए वह बार बार सत्ता से भी टकरा जाती है। एक कांग्रेस नेत्री व एक विधायक के रूप में वे चाहती है कि राजनीति स्तर पर भी महिलाओं को बराबरी का अधिकार और सत्ता में भागीदारी का हक मिले। वे मानती है कि अभी तक कोई भी पार्टी संख्या बल के हिसाब से महिलाओं को टिकट नही दे पाई है। लेकिन उनका मानना है कि आने वाला समय महिलाओं का है और उन्हें अपने अधिकार मिलकर रहेंगे। जिसके लिए उन्होंने संघर्ष का अपना लक्ष्य भी दोहराया। फिलहाल अनुपमा रावत जहां उत्तराखंड में कांग्रेस के लिए उसकी खोई जमीन फिर से तैयार करने में जुटी गई है। इसी के लिए वे अपने क्षेत्र के लोगो को न्याय दिलाने के लिए जहां थाने और सड़क पर संघर्ष कर रही है। उनके संघर्ष को जनसमर्थन भी खुले रूप में मिल रहा है। लेखक वरिष्ठ पत्रकार है।

सू-दोकू नवताल -2078

5		4			2	8		9
	3			4			7	6
			7		5			
	9		3					7
3		1				4		5
8					6		2	
			4		1			
4	5			2			1	
7		3	8			2		4

सू-दोकू -2077 का हल

6	1	5	7	9	3	4	2	8
9	8	7	2	4	1	6	5	3
4	3	2	8	5	6	7	9	1
7	4	1	3	8	5	2	6	9
2	6	8	9	7	4	1	3	5
3	5	9	6	1	2	8	7	4
5	7	4	1	6	9	3	8	2
8	9	3	4	2	7	5	1	6
1	2	6	5	3	8	9	4	7

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2078

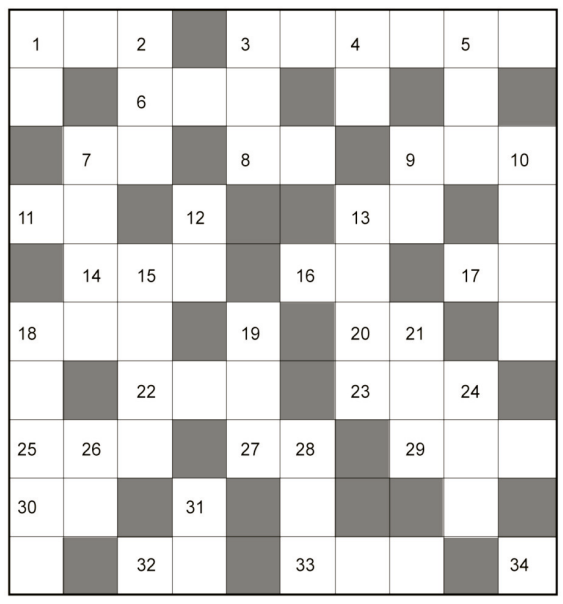

बायें से दायें:-

1. अमिताभ, सलमान खान, जॉन अब्राहम, हेमा, रानी मुखर्जी की एक फिल्म-3
3. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर अभिनीत एक फिल्म-3,3
6. तुषार कपूर की 'दिलकश ये एहसास है' गीत वाली फिल्म-3
7. 'बेईमान पिया रे' गीत वाली अजग देवगन, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2
8. मिलिंद सोमण, राज जुत्शी की 'गोरी तोरे नैना बावरे' गीत वाली फिल्म-2
9. धर्मेंद्र, जीतेंद्र, हेमा की गुलजार निर्देशित फिल्म-3
11. सनी देओल, तब्बू की 'एक लड़की बस गई' गीत वाली फिल्म-2
13. 'तुझे रब ने बनाया है कमाल' गीत वाली फिल्म-2
14. सलमान खान, किरण झवेरी की एक फिल्म-3
16. राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-2
17. 'फूल मांगू ना बहार मांगू' गीत वाली फिल्म-2
18. अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-3
20. 'मुंडिया तो बच के' गीत वाली फिल्म-2
22. अमोल पालेकर, रंजीता की फिल्म-3
23. 'फिर छिड़ी बात, बात फूलों की' गीत वाली फिल्म-3
25. अभिषेक, अजय देवगन, बिपाशा अभिनीत फिल्म-3
27. फिल्म 'हवस' में अनिल धवन की नायिका-2
29. सनी, सुनील शेट्टी की फिल्म-3
30. सुनील शेट्टी की पत्नी का नाम-2
32. 'दिल ने ये जाना' गीतवाली फिल्म-2
33. 'जिंदगी इम्तिहान लेती है' गीतवाली फिल्म-3
34. 'आई ने के सौ टुकड़े' गीतवाली फिल्म-1

ऊपर से नीचेः-

1. राजेश खन्ना, हेमा, दीपक पाराशर की फिल्म-2
2. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-3
3. 'जिन्हें हम भूलना चाहें' गीत वाली फिल्म-3
4. फिल्म 'शीशा' में सोनू सूद की नायिका-2
5 विनोद खन्ना, महमूद, भारती की फिल्म-3
7. किशोर कुमार, माला सिन्हा की 'तोड़ो ना दिल बेकरार का' गीत वाली फिल्म-4
9. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-2
10. शाहरुख, विवेक मुशरान, जुही चावला की फिल्म-4
12. शाहरुख खान, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-2
13. 'मेरे नैना सावन भादों' गीतवाली फिल्म-4
15. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-4
18. 'चोरों को सारे नजर आते हैं चोर' गीतवाली फिल्म-2,3
19. विनोद खन्ना, ऋषि, श्रीदेवी, जूही की फिल्म-3
21. 'मेरे गाल छुए जो तू' गीतवाली फिल्म-3
24. राहुल खन्ना, जिम्मी शेरगिल तनुश्री दत्ता की फिल्म-3
26. मंगेशकर बहनों में सबसे छोटी बहन का नाम क्या है?-2
28. अमिताभ, अमृता सिंह, मीनाक्षी की फिल्म-3
31. 'मखमली ये बदन' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2077

रि	ष्ते		अं	दा	ज		अ	ल	ग
स्क		श	जा		ख्म		ध		र
	अ	ज	न	बी		जु	र्म		म
बे		पू		स		ल्मी		प्रे	म
ता	क	त		सा	थी		दि		सा
ब			फू	ल		अ	ल	बे	ला
	का	श		बा	द	ल		टा	
म		बा	रू	द		हि	ना		वि
ह	सी	ना			लै	ला		दा	वा
ल			रे	ड		ल	क्ष्य		ह

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीवीआर को 2022-23 की पहली तिमाही में कारोबार के महामारी-पूर्व के स्तर पर पहुंचने की उम्मीद

नयी दिल्ली।

पीवीआर लि. को भरोसा है कि 2022-23 की पहली तिमाही में उसका कारोबार महामारी-पूर्व के स्तर पर पहुंच जाएगा। देशभर में पीवीआर नाम से मल्टीप्लेक्स श्रृंखला का परिचालन करने वाली कंपनी को कई नई आने वाली फिल्मों से काफी उम्मीदें हैं। कंपनी का कहना है कि लोग अब फिल्म देखने के लिए सिनेमाघरों की ओर लौट रहे हैं। थियेटरों में दर्शकों की संख्या के लिहाज से पीवीआर के लिए मार्च का महीना सबसे अच्छा रहा है। इस दौरान 'द कश्मीर फाइल्स', गंगूबाई काठियावाड़ी' और 'आरआरआर' जैसे फिल्मों के प्रति लोगों ने काफी उत्साह दिखाया है। पीवीआर लि. के संयुक्त प्रबंध निदेशक संजीव कुमार बिजली ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''जहां तक महामारी का सवाल है, अब अच्छी फिल्में बड़े पर्दे पर आने लगी हैं। लोग सिनेमा देखने लौट रहे हैं। यह काफी अच्छी बात है।'' बिजली ने कहा, ''मुझे लगता है कि मार्च का महीना हमारे लिए सबसे अच्छा रहेगा। यह संभवत- महामारी-पूर्व के हमारे सर्वश्रेष्ठ महीने से भी बेहतर रहेगा। महामारी-पूर्व से हमारा आंकड़ा अच्छा रहेगा।'' अगले वित्त वर्ष के बारे में संभावनाओं को लेकर बिजली ने कहा, ''2022-23 की पहली तिमाही काफी मजबूत दिख रही है। अप्रैल, मई और जून में कई बड़ी फिल्में आने वाली हैं। मुझे उम्मीद है कि अगली तिमाही में हम महामारी-पूर्व के आंकड़े को पार कर लेंगे।'' दिसंबर, 2021 को समाप्त तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध घाटा कम होकर 10.2 करोड़ रुपये रहा है। कोविड संबंधी अंकुशों में ढील के बाद कंपनी का नुकसान कम हुआ है। तीसरी तिमाही में कंपनी की कुल आय 709.71 करोड़ रुपये रही है, जो एक साल पहले की समान तिमाही में 320.13 करोड़ रुपये थी।

बड़े अमीरों की संख्या में उछाल से भारत में लैम्बोर्गिनी के पास काफी अवसर: चेयरमैन

नई दिल्ली।

इटली की सुपरस्पोर्ट्स लक्जरी कार कंपनी ऑटोमोबिली लैम्बोर्गिनी के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) स्टीफन विंकेलमैन का मानना है कि धनाढ्यों (एचएनआई) की संख्या में उछाल के साथ भारत में कंपनी के लिए वृद्धि के बड़े अवसर है। देश में 2021 में 69 कारों की रिकॉर्ड बिक्री और 86 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करने वाली कंपनी इलेक्ट्रिक वाहनों की दिशा में वैश्विक रणनीति के तहत भारत में हाइब्रिड वाहनों को पेश करने की अपनी योजना का भी मूल्यांकन कर रही है। विंकेलमैन ने कहा, मुझे लगता है कि भारत में वृद्धि के लिए एक बड़ा अवसर है। भारतीय बाजार में बड़े अमीर हैं और हम देखेंगे कि यह कैसे विकसित हो रहा है। पिछले साल प्रतिशत के मामले में हमारी बिक्री में सबसे अधिक वृद्धि हुई है, इसलिए भविष्य के लिए भी अवसर हैं। उन्होंने कहा, हम भारतीय बाजार में जो देख सकते हैं, वह यह है कि हमारे पास बाजार में प्रवेश करने वाले अधिक से अधिक अमीर व्यक्ति हैं। हमारे पास पहले से ही बड़े अमीरों की दूसरी पीढ़ी है और उनकी औसत आयु अन्य देशों की तुलना में कम है। भारत में हाइब्रिड वाहनों को पेश करने की योजना के बारे में

पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इसे आगे बढ़ाया जाएगा लेकिन फिलहाल मैं आपको पुख्ता तरीके से उन महीनों के बारे नहीं बता सकता कि जब हम प्रत्येक बाजार में इस तरह के वाहनों के साथ मौजूद होंगे।

निवेशकों को आकर्षित करने के लिए अपने प्रयास तेज करेगा पश्चिम बंगाल

नयी दिल्ली ।

पश्चिम बंगाल सरकार निवेशकों को आकर्षित करने के लिए अपने प्रयासों को तेज करेगी। एक शीर्ष अधिकारी का कहना है कि राज्य में गहरे-समुद्र के बंदरगाह, कोयला खान तथा औद्योगिक गलियारा क्षेत्रों में उद्यमी निवेश कर सकते हैं। पश्चिम बंगाल औद्योगिक विकास निगम (डब्ल्यूबीआईडीसी) के चेयरमैन राजीव सिन्हा ने कहा कि बंगाल के प्रति निवेशकों की धारणा में बदलाव लाने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी औद्योगिक विकास को प्राथमिकता दे रही हैं। सिन्हा ने कहा कि वह आगामी बंगाल वैश्विक व्यापार शिखर सम्मेलन के दौरान निवेश प्रतिबद्धताओं को लेकर काफी आशान्वित हैं। इस निवेशक शिखर सम्मेलन का आयोजन डब्ल्यूबीआईडीसी और उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा संयुक्त रूप से कोलकाता में 21-22 अप्रैल को किया जा रहा है। कोविड-19 महामारी के बाद देश में यह इस तरह पहला भौतिक आयोजन है। इस सम्मेलन में 15 साझेदार देश होंगे और लगभग सभी देशों की भागीदारी होगी।शिखर सम्मेलन से पहले आयोजित रोडशो के बाद सिन्हा ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''आप विज्ञापन देकर धारणा में बदलाव नहीं ला सकते। शिखर सम्मेलन से पहले आयोजित रोडशो के बाद सिन्हा ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''आप विज्ञापन देकर धारणा में बदलाव नहीं ला सकते।

सभी राज्य सरकारें कहती हैं कि वे सर्वश्रेष्ठ हैं। हमें अपने संपर्क कार्यक्रम को बेहतर करना होगा। हमें लोगों से बात करनी होगी। धारणा में बदलाव विज्ञापनों से नहीं लाया जा सकता। एक-दूसरे से बातचीत के जरिये ऐसा किया जा सकता है।'' एक-दूसरे से बातचीत के जरिये ऐसा किया जा सकता है।'' सिन्हा ने कहा कि कई कंपनियां गंभीरता से बंगाल की ओर देख रही हैं। हमारा प्रयास है कि शिखर सम्मेलन से पहले कुछ रुचि पत्रों (ईओआई) को अंतिम रूप दिया जा सके।

मुफ्त अनाज वितरण योजना सितंबर तक बढ़ाई गई, राजकोष पर 80,000 करोड़ रुपये का बोझ

नयी दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने कोविड-19 महामारी से उबरने के हालात के बीच समाज के कमजोर तबके को सहायता प्रदान करना जारी रखने के मकसद से शनिवार को गरीबों को पांच किलो मुफ्त खाद्यान्न प्रदान करने की योजनावधि को अगले छह माह यानी 30 सितंबर तक के लिए बढ़ा दिया है। इससे राजकोष पर लगभग 80,000 करोड़ रुपये का भार आने की संभावना है। भारत में दो साल पहले सख्त लॉकडाउन लागू किये जाने के बाद शुरू हुई यह योजना कुछ दिन बाद 31 मार्च को ही समाप्त होने वाली थी । पिछले दो वर्षों में, इस योजना के तहत पहले ही लगभग 2.6 लाख करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं और छह महीने के विस्तार के साथ इस पर 80,000 करोड़ रुपये का खर्च और आएगा। मार्च 2020 में, केंद्र ने कोविड महामारी के दौरान लोगों की मुश्किलों को कम करने के लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के दायरे में आने वाले 80 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को प्रति व्यक्ति प्रति माह 5 किलो खाद्यान्न मुफ्त प्रदान करने के लिए - प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएम-जीकेएवाई) योजना शुरू की थी। एक सरकारी बयान में कहा गया है, ''समाज के गरीब और कमजोर वर्गों के प्रति चिंता और संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पीएम-जीकेएवाई योजना को, अगले और छह महीने यानी सितंबर 2022 तक बढ़ा दिया है।'' यह इस योजना का छठा चरण होगा। पीएम-जीकेएवाई योजना का पांचवां चरण मार्च 2022 में खत्म होने वाला था। आधिकारिक बयान के मुताबिक, ''सरकार ने अब तक लगभग 2.60 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं और अगले छह महीनों में सितंबर 2022 तक 80,000 करोड़ रुपये और खर्च किए जाएंगे, जिससे पीएम-जीकेएवाई के तहत कुल खर्च लगभग 3.40 लाख करोड़ रुपये हो जाएगा।'' खाद्य मंत्री पीयूष गोयल ने ट्वीट किया कि योजना की अवधि बढ़ाने का फैसला गरीबों के प्रति मोदी सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाता है।

संक्षिप्त समाचार

विदेशी निवेशकों ने इस साल अब तक निकाले कुल 1.15 लाख करोड़

बिजनेस डेस्क । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस साल अबतक भारतीय बाजारों से 1,14,855.97 करोड़ रुपए की निकासी की है। भू-राजनीतिक तनाव और मुद्रास्फीति को लेकर चिंता के बीच विदेशी निवेशक भारतीय बाजारों में बिकवाल बने हुए हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने इस महीने अबतक भारतीय शेयरों बाजारों से 48,261.65 करोड़ रुपए की निकासी की है। इस तरह आज की तारीख तक 2022 में विदेशी निवेशकों की निकासी का आंकड़ा 1,14,855.97 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि रूस-यूक्रेन तनाव की वजह से वैश्विक स्तर पर वृहदआर्थिक स्थिति और मुद्रास्फीतिक दबाव की वजह से विदेशी निवेशक भारतीय बाजारों से निकासी कर रहे हैं। यह लगातार छठा महीना है जबकि विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजारों से शुद्ध निकासी की है। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी की वरिष्ठ ईवीपी और प्रमुख (इक्विटी शोध) शिबानी कुरियन ने कहा, ''रूस-यूक्रेन युद्ध का भारतीय अर्थव्यवस्था पर सीधा असर काफी सीमित है, क्योंकि इन देशों से हमारी आयात पर निर्भरता नहीं है। हालांकि, जिंसों के ऊंचे दाम चुनौतियां पैदा कर रहे हैं। कुरियन ने कहा कि भारत कच्चे तेल का शुद्ध आयातक है। ऐसा अनुमान है कि कच्चे तेल की कीमतों में 10 प्रतिशत के उछाल से चालू खाते के घाटे (कैड) पर 0.3 प्रतिशत, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति पर 0.4 प्रतिशत और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पर 0.2 प्रतिशत का असर पड़ेगा। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने जनवरी में भारतीय शेयर बाजारों से 28,526.30 करोड़ रुपए निकाले थे। फरवरी में उनकी निकासी 38,068.02 करोड़ रुपए रही थी। मार्च में अबतक उन्होंने 48,261.65 करोड़ रुपए की बिकवाली की है।

कार्बन उत्सर्जन आधारित कराधान प्रणाली से हरित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा मिलेगा: लेक्सस

नयी दिल्ली । कार्बन उत्सर्जन आधारित कराधान प्रणाली ने विकसित देशों में एक मिसाल कायम की है और भारत को भी वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को कम करने के लक्ष्य के साथ विद्युतीकरण तथा अन्य प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के लिए इसे अपनाने पर विचार करना चाहिए। टोयोटा की लग्जरी कार इकाई लेक्सस के एक शीर्ष अधिकारी ने यह कहा। लेक्सस इंडिया के अध्यक्ष नवीन सोनी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हमने विकसित देशों में देखा है कि वाहन कराधान नीतियों को परिभाषित करने के किसी भी अन्य तरीके के मुकाबले कार्बन आधारित कराधान अधिक अहम है और हमें लगता है कि यह कई उद्देश्यों को हल करता है।'' कार कंपनी ने दीर्घकालिक नीति रूपरेखा के महत्व पर भी जोर दिया जो मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) को नई प्रौद्योगिकियों और उत्पादों में निवेश करने के लिए प्रेरित करती हो। कार कंपनी ने दीर्घकालिक नीति रूपरेखा के महत्व पर भी जोर दिया जो मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) को नई प्रौद्योगिकियों और उत्पादों में निवेश करने के लिए प्रेरित करती हो। सोनी ने कहा, ''हम भी बेहतर प्रौद्योगिकी देना चाहते हैं। अभी कुछ सीमाएं हैं लेकिन अगर कार्बन आधारित कराधान प्रणाली स्पष्ट होती है, तो विशेष रूप से प्रौद्योगिकी की दिशा में प्रतिबद्धता व्यक्त करने का हमारा विश्वास मजबूत होगा और यह देश के साथ-साथ उपभोक्ता हित में भी होगा।'' सोनी ने कहा कि सरकार चाहती है कि उत्सर्जन कम हो और देश का ईंधन आयात नियंत्रण में आए जबकि उपभोक्ता बेहतर प्रौद्योगिकी चाहते हैं। कार्बन कराधान प्रणाली में प्रति टन कार्बन उत्सर्जन के लिए कीमत तय होती है और कम कार्बन उत्सर्जन पर प्रोत्साहन मिलता है। जबकि उपभोक्ता बेहतर प्रौद्योगिकी चाहते हैं। कार्बन कराधान प्रणाली में प्रति टन कार्बन उत्सर्जन के लिए कीमत तय होती है और कम कार्बन उत्सर्जन पर प्रोत्साहन मिलता है।

एनडीटीवी आयकर विभाग के कारण बताओ नोटिस को चुनौती देगी

नयी दिल्ली । प्रसारक कंपनी एनडीटीवी ने शनिवार को कहा कि वह आयकर विभाग की तरफ से भेजे गए कारण बताओ नोटिस को चुनौती देगी। आयकर विभाग ने कर आकलन वर्ष 2008-09 के लिए एनडीटीवी की एक पुरानी अनुषंगी की तरफ से जारी बॉन्ड के बारे में कंपनी से स्पष्टीकरण देने को कहा है। एनडीटीवी ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि आयकर विभाग ने उसे नोटिस का जवाब देने के लिए 29 मार्च तक का समय दिया है। एनडीटीवी ने कहा, आयकर विभाग ने नोटिस भेजकर यह जानना चाहा है कि हमारी पुरानी अनुषंगी एनडीटीवी नेटवर्क्स की तरफ से जारी बॉन्ड की कई जाने-माने विदेशी निवेशकों की तरफ से की गई खरीद को आकलन वर्ष 2008-09 के लिए कंपनी की ही आय क्यों नहीं माना जाना चाहिए? तरफ से जारी बॉन्ड की कई जाने-माने विदेशी निवेशकों की तरफ से की गई खरीद को आकलन वर्ष 2008-09 के लिए कंपनी की ही आय क्यों नहीं माना जाना चाहिए? कंपनी ने कहा कि नोटिस के स्तर पर ही होने से इस प्रक्रिया का कोई वित्तीय निहितार्थ नहीं है। उसने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने 14 मार्च 2022 को एनडीटीवी को अंतरिम राहत दी है। एनडीटीवी ने अपनी रिट याचिका में आकलन वर्ष 2008-09 का आकलन फिर से करने के आयकर विभाग के कदम को चुनौती दी थी। इस मामले की अगली सुनवाई दो अगस्त को होगी।

विभिन्न योजनाओं के लिए साझा पोर्टल लाएगी सरकार

नयी दिल्ली । केंद्र सरकार आम आदमी के जीवन को आसान बनाने के उद्देश्य से विभिन्न मंत्रालयों और विभागों द्वारा चलाई जा रही अलग-अलग योजनाओं के लिए एक 'साझा पोर्टल' लाएगी। सरकार इस तरह के पोर्टल को शुरू करने के लिए एक प्रस्ताव पर काम कर रही है। सूत्रों ने बताया कि मोदी सरकार के न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन के दृष्टिकोण के तहत अलग-अलग योजनाओं के लिए एक नए पोर्टल में ऋण आधारित 15 सरकारी योजनाओं को शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अनुकूलता के रूप में साझा पोर्टल पर योजनाओं का धीरे-धीरे विस्तार किया जाएगा, क्योंकि कुछ केंद्र प्रायोजित योजनाओं में कई एजेंसियों की भागीदारी है। सूत्रों ने बताया कि उदाहरण के तौर पर प्रधानमंत्री आवास योजना और ऋण से जुड़ी पूंजीगत सब्सिडी योजना (सीएलसीएसएस) जैसी योजनाओं का संचालन विभिन्न मंत्रालयों द्वारा किया जा रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित पोर्टल में इन योजनाओं को एक मंच पर लाया जाएगा, ताकि लाभार्थियों को बिना किसी परेशानी के उन तक पहुंच उपलब्ध कराई जा सके। सूत्रों ने कहा कि इसका पायलट परीक्षण किया जा रहा है और इस पोर्टल को पेश करने से पहले सभी पहलुओं पर गौर किया जा रहा है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और अन्य ऋणदाता यह परीक्षण कर रहे हैं।

भारत ने रूस से आयातित एलएनजी का डॉलर में भुगतान किया

नई दिल्ली।

देश की सबसे बड़ी गैस कंपनी गेल (इंडिया) लि. ने रूस की गैजप्रॉम से आयातित तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) का भुगतान अमेरिकी डॉलर में किया है। दो सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि यदि भुगतान यूरो या किसी अन्य मुद्रा में मांगा जाता है, तो कंपनी विनिमय दरों में 'निरपेक्षता की मांग करेगी। गेल का गैजप्रॉम से सालाना 25 लाख टन एलएनजी के आयात का अनुबंध है। इस लिहाज से कंपनी को हर महीने तीन से चार कार्गो या सुपर-कूल्ड प्राकृतिक गैस की खेप जहाज से मिलेगी। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्र ने कहा, ''गैजप्रॉम के साथ अनुबंध में डॉलर में भुगतान का प्रावधान है। एलएनजी का कार्गो मिलने के पांच से सात दिन में भुगतान बकाया हो जाता है। अंतिम भुगतान 23 मार्च को डॉलर में किया गया है। सूत्रों ने बताया कि 25 मार्च को भी जहाज के जरिए एलएनजी की खेप मिली है। इसका भुगतान अप्रैल की शुरुआत में करना होगा। ''इस तरह के कोई संकेत नहीं मिले हैं कि इस कार्गो का भुगतान अमेरिकी डॉलर के अलावा किसी अन्य मुद्रा में करना होगा। एक अन्य सूत्र ने बताया कि अभी तक भुगतान डॉलर में किया जा रहा है और इसमें कोई समस्या नहीं आ रही हैं। गैजप्रॉम ने अभी तक गेल को भुगतान के तरीके में

बदलाव के बारे में कोई सूचना नहीं दी है। सूत्रों ने बताया कि आखिरी भुगतान भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के जरिए किया गया। सूत्रों ने बताया कि आखिरी भुगतान भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के जरिए किया गया। जून, 2018 में गैस की आपूर्ति शुरू होने के बाद से ही एसबीआई के जरिए भुगतान किया जा रहा है।

सूत्रों ने बताया कि यदि गैजप्रॉम के भुगतान को यूरो में चाहने की खबरें सही साबित होती हैं, तो इस बात की समीक्षा करने की जरूरत होगी कि अनुबंध में मुद्रा में बदलाव कैसे किया जाएगा।

एसबीआई म्यूचुअल फंड के नए एसआईपी में 39प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली।

संपदा प्रबंधन के आधार पर देश के सबसे बड़े फंड हाउस एसबीआई म्यूचुअल फंड ने चालू वित्त वर्ष में 01 जनवरी 2022 तक 30 लाख से अधिक नए एसआईपी पंजीकृत किए हैं, जिसमें वित्त वर्ष 20-21 के मुकाबले 39 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। चालू वित्त वर्ष में फंड हाउस को औसतन मासिक 1,800 करोड़ रुपए का एसआईपी हासिल हुआ, जिसमें औसत एसआईपी का आकार लगभग 2,500 रुपए का था। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि नए एसआईपी में मजबूत वृद्धि का श्रेय आईएफए, राष्ट्रीय वितरकों और एसबीआई शाखाओं के मजबूत वितरण नेटवर्क के माध्यम की जाने वाली पेशकशों की उपलब्धता को जाता है। एसबीआई म्यूचुअल फंड ने कई टियर 2 स्थानों में भी नई शाखाएं खोलने के साथ देश में अपनी मौजूदगी को और मजबूत किया है।

पिछले दो वर्षों में महामारी के दौरान देश भर के निवेशकों से फंड हाउस ने एसआईपी के माध्यम से निवेश प्राप्त किया और सभी क्षेत्रों में लगभग समान वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें चालू वित्त वर्ष में उत्तर (25 प्रतिशत), पूर्व (22 प्रतिशत), पश्चिम (25 प्रतिशत) और दक्षिण में (28 प्रतिशत) वृद्धि शामिल है। कंपनी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में भी एसबीआई म्यूचुअल फंड ने अन्य प्रमुख उपलब्धियों को हासिल किया, जिसमें छह लाख करोड़ रुपए के एएयूएम पार करने वाले देश का पहला फंड हाउस बनने की उपलब्धि भी शामिल है। लगातार निवेशक जागरूकता पहल और कुछ बेहद जागरूकता पहल और कुछ बेहद उपयुक्त बाजार पेशकशों के लॉन्च ने मौजूदा और नए दोनों निवेशकों के साथ ब्रांड की हिस्सेदारी को बढ़ाने में मदद की। इस फंड हाउस ने एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड (14,691 करोड़ रुपए की कमाई) के साथ खुली अवधि के एक्टिव इक्विटी कैटेगरी में सबसे ज्यादा फंड को प्रबंधित किया। इसके बाद (8,095 करोड़ रुपए की कमाई) के साथ मल्टीकैप कैटेगरी में एसबीआई मल्टीकैप फंड का स्थान रहा।

फिर लगी पेट्रोल-डीजल के दामों में आग

बिजनेस डेस्क। तेल कंपनियों की तरफ से आज फिर पेट्रोल और डीजल के दामों में बढ़ोतरी हुई है। पेट्रोल 50 पैसे और डीजल 55 पैसे प्रति लीटर महंगे हुए। नई कीमत लागू होने के बाद राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 99.11 रुपए प्रति लीटर और डीजल 90.42 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। इससे पहले 22, 23, 25 और 26 मार्च को 80-80 पैसे की बढ़ोतरी हो चुकी है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 113.88 रुपए व डीजल की कीमत 98.13 रुपए प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल का दाम 108.53 रुपए जबकि डीजल का दाम 93.57 रुपए प्रति लीटर है। वहीं चेन्नई में भी पेट्रोल 104.90 रुपए प्रति लीटर तो डीजल 95.00 रुपए प्रति लीटर है। बता दें कि पिछले वर्ष 4 नवंबर के बाद से इन दोनों ईंधन के मूल्य में कोई वृद्धि नहीं की गई थी। सरकार के राजनीतिक विरोधियों का आरोप था कि पांच राज्यों के चुनाव के कारण मोदी सरकार ने तेल कंपनियों को मूल्य बढ़ाने से रोक रखा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का भाव 112 डॉलर प्रति बैरल पहुंचने के बाद रविवार को तेल कंपनियों ने डीजल के थोक खरीदारों के लिए मूल्य में 25 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। तेल डीलरों का कहना है कि खुदरा मूल्य में धीरे-धीरे वृद्धि की जाएगी। पेट्रोल-डीजल की कीमत आप एसएमएस के जरिए भी जान सकते हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट पर जाकर आपकोऔर अपने शहर का कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर भेजना होगा।

421 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की लागत 4.73 लाख करोड़ रुपए बढ़ी

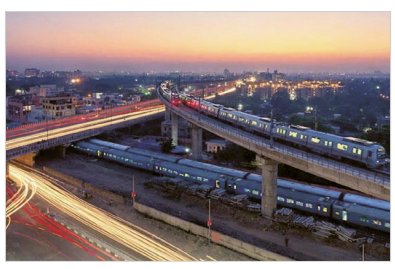

नई दिल्ली।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक के खर्च वाली 421 परियोजनाओं की लागत में तय अनुमान से 4.73 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। देरी और अन्य कारणों की वजह से इन परियोजनाओं की लागत बढ़ी है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक की लागत वाली बुनियादी ढांचा क्षेत्र की परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की फरवरी-2022 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,565 परियोजनाओं में से 421 की लागत बढ़ी है, जबकि 647 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ''इन 1,565 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 21,86,542.05 करोड़ रुपए थी, जिसके बढ़कर 26,59,914.61 करोड़ रुपए पर पहुंच जाने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 21.65 प्रतिशत या 4,73,352.56 करोड़ रुपए बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी-2022 तक इन परियोजनाओं पर 13,26,569.75 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 49.87 प्रतिशत है। हालांकि, मंत्रालय का कहना है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की हालिया समयसीमा के हिसाब से देखें, तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 553 पर आ जाएगी। रिपोर्ट में 631 परियोजनाओं के चालू होने के साल के बारे में जानकारी नहीं दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी से रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी से चल रही 647 परियोजनाओं में 84 परियोजनाएं एक महीने से 12 महीने, 124 परियोजनाएं 13 से 24 महीने की, 327 परियोजनाएं 25 से 60 महीने की और 112 परियोजनाएं 61 महीने या अधिक की देरी में चल रही हैं। इन 647 परियोजनाओं की देरी का औसत 42.60 महीने है। इन परियोजनाओं की देरी के कारणों में भूमि अधिग्रहण में विलंब, पर्यावरण और वन विभाग की मंजूरियां मिलने में देरी और बुनियादी संरचना की कमी प्रमुख है।

इनके अलावा परियोजना का वित्तपोषण, विस्तृत अभियांत्रिकी को मूर्त रूप दिए जाने में विलंब, परियोजनाओं की संभावनाओं में बदलाव, निविदा प्रक्रिया में देरी, ठेके देने व उपकरण मंगाने में देरी, कानूनी व अन्य दिक्कतें, अप्रत्याशित भू-परिवर्तन आदि की वजह से भी इन परियोजनाओं में विलंब हुआ है।

Sports

बांग्लादेश को 100 रन से हराकर इंग्लैंड विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंचा

वेलिंगटन । गत चैम्पियन इंग्लैंड आईसीसी महिला विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली तीसरी टीम बन गई जिसने बांग्लादेश को रविवार को 100 रन से हराया। सोफिया डंकली के 72 गेंद में 67 रन की मदद से इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 234 रन बनाए। इसके बाद सोफी एक्सेलेटन ने 15 रन देकर तीन विकेट लिए। बांग्लादेश की टीम 48वें ओवर में 134 रन पर आउट हो गई। इंग्लैंड ने अब लगातार चार मैच जीतकर टूर्नामेंट में धीमी शुरूआत की भरपाई कर दी है। अनुभवी आन्या श्रुबसोले को रविवार को आराम दिया गया जिनकी जगह चार्ली डीन ने ली और 31 रन देकर तीन विकेट चटकाए। फ्रेया डेविस ने 36 रन देकर दो विकेट लिए। बांग्लादेश के लिए सिर्फ लता मंडल कुछ देर टिक सकी जिन्होंने 30 रन बनाए। वहीं सलामी बल्लेबाज शमीमा सुल्ताना और शरमीन अख्तर ने 23-23 रन की पारी खेली। इंग्लैंड के लिए डंकली के अलावा नेट स्किवेर ने 40, टैमी ब्यूमोंट ने 33 और एमी जोंस ने 31 विकेट लिए। बांग्लादेश की गेंदबाज सलमा खातून ने 46 रन देकर दो विकेट लिए।

दक्षिण अफ्रीका ने भारत को तीन विकेट से हराया

महिला वर्ल्ड कप से बाहर हुई टीम इंडिया

क्राइस्टचर्च ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम दक्षिण अफ्रीका से आखिरी गेंद तक खिंचे मुकाबले में रविवार को तीन विकेट से हारकर आईसीसी महिला विश्व कप के सेमीफाइनल में जाने से चूक गई। भारत ने 50 ओवर में सात विकेट पर 274 रन बनाये जबकि दक्षिण अफ्रीका ने 50 ओवर में सात विकेट पर 275 रन बनाकर रोमांचक जीत हासिल कर ली और सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत छह अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहा। इससे पहले शेफाली वर्मा, स्मृति मंधाना और कप्तान मिताली राज के अर्धशतकों की मदद से भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी महिला विश्व कप के करो या मरो के मैच में सात विकेट पर 274 रन बनाए। भारतीय कप्तान मिताली राज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुकी है। शेफाली (46 गेंद में 53 रन) और स्मृति (84 गेंद में 71 रन) ने 90 गेंद में 91 रन की साझेदारी की जबकि हरमनप्रीत कौर ने आखिर में 57 गेंद में 48 रन बनाए। शेफाली ने काफी आक्रामक बल्लेबाजी की और स्मृति ने पारी के सूत्रधार की भूमिका निभाई। शेफाली ने दक्षिण अफ्रीका की सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज शबनम इस्माइल को शुरू ही से दबाव में रखा। उन्होंने शबनम के दूसरे ओवर में तीन चौके जड़े। अपनी पारी में उन्होंने आठ चौके लगाए। 18 वर्ष की शेफाली ने तेज गेंदबाज मसाबाता क्लास को मिडआन पर चौका लगाकर टूर्नामेंट में पहला अर्धशतक पूरा किया। जिस तरह से भारतीय सलामी बल्लेबाज खेल रहे थे, ऐसा लग रहा था कि भारत एक बार फिर 300 के पार स्कोर बना लेगा। लेकिन शेफाली और तीसरे नंबर की बल्लेबाज यस्तिका भाटिया एक के बाद एक विकेट गंवा बैठी जिससे रनगति पर के बीच लेग साइड में एक रन लेने को लेकर गलतफहमी हुई और शेफाली रन आउट हो गई। भाटिया एक के बाद एक विकेट गंवा बैठी जिससे रनगति पर अंकुश लगा। शेफाली और स्मृति के बीच लेग साइड में एक रन लेने को लेकर गलतफहमी हुई और शेफाली रन आउट हो गई। वहीं यस्तिका ने आफ स्पिनर चोल ट्रायोन की गेंद पर स्वीप शॉट खेला और गेंद उनके स्टम्प पर जा लगी। भारत का स्कोर बिना किसी नुकसान के 91 रन से दो विकेट पर 96 रन हो गया। इसके बाद मिताली और स्मृति ने पारी को आगे बढ़ाया। शुरूआती स्पैल में महंगी साबित हुई शबनम ने शानदार वापसी की और भारतीय कप्तान पर दबाव बनाया। एक बार क्रीज पर जमने के बाद मिताली ने हालांकि खुलकर खेला। स्मृति के जाने के बाद मिताली और हरमनप्रीत ने तेजी से रन बनाए। आखिरी दस ओवर में हालांकि 51 रन ही बन सके और चार विकेट गिर गए। मिताली ने इसी मैदान पर 22 साल पहले अपने पहले विश्व कप में भी अर्धशतक बनाया था।

एशियाई खेलों के लिये तीरंदाजी टीम में राय और रिद्धि का स्थान पक्का, अतनु चूके

सोनीपत ।

शीर्ष रैंकिंग पर काबिज भारतीय तीरंदाज अतनु दास शनिवार को यहां भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र में हुए अंतिम चयन ट्रायल में शीर्ष आठ से बाहर रहने के कारण आगामी एशियाई खेलों के लिये कट हासिल करने से चूक गये। सेना के अनुभवी तीरंदाज तरूणदीप राय पुरूष रिकर्व ट्रायल में शीर्ष पर रहे और सबसे पहले स्थान पक्का करने में सफल रहे। उन्होंने 2010 एशियाई खेलों में ऐतिहासिक व्यक्तिगत रजत पदक जीता था। महिलाओं के वर्ग में उभरती हुई हरियाणा की रिद्धि फोर शीर्ष पर रही जिससे उन्होंने चीन के हांगजोऊ में 10 से 25 सितंबर तक होने वाले एशियाई खेलों के लिये अपना स्थान पक्का किया। पुरूष और महिला वर्ग में बचे हुए तीन स्थान रविवार को राउंड रॉबिन मैचों के बाद तय किये जायेंगे। यही टीम विश्व कप के पहले तीन चरण में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी जो 18 से 24 अप्रैल से अंताल्या चरण में शुरू होगा। दुनिया के नौवें नंबर के दास प्री क्वार्टरफाइनल में सेना के अपने तोक्यो ओलंपिक के साथी प्रवीण जाधव से हारकर शीर्ष आठ से बाहर हो गये। दास की पत्नी और पूर्व नंबर एक तीरंदाज दीपिका कुमारी हालांकि अंतिम चयन ट्रायल के पहले चरण में पांचवीं रैंकिंग से दौड़ में बनी हुई हैं। वह रविवार को अंतिम चरण में शीर्ष चार में जगह बनाने की कोशिश करेंगी।

दिल्ली के खिलाफ मैच से पहले मुंबई इंडियंस से जुड़े सूर्यकुमार यादव

स्पोर्ट्स डेस्क । मुंबई इंडियंस (एमआई) के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने सीजन के पहले मैच से पहले मुंबई में टीम में शामिल हो गए हैं। सूर्यकुमार वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अंगूठे में फ्रैक्चर के बाद बाहर हो गए थे। उन्हें श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला से बाहर कर दिया गया और पुनर्वास के लिए राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) भेजा गया। वह हाल ही में चोट से उबरे और अपने होटल में टीम से जुड़े। सूर्यकुमार को शानदार आईपीएल ट्राफियों के साथ पोज देते हुए देखा गया जो कि फेंचाइजी ने वर्षों से जीती है। पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर का मानना है कि आईपीएल 2022 सूर्यकुमार के लिए इस साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भारत की टी20 टीम में जगह बनाने का सही मंच है। गावस्कर ने कहा था कि सूर्यकुमार यादव के लिए पिछले कुछ सीजन शानदार रहे हैं और आईपीएल 2022 उनके लिए इस सीजन में फिर से अच्छा प्रदर्शन करके भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की करने का एक शानदार अवसर है। टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम काफी हद तक आईपीएल के प्रदर्शन पर तय की जाएगी। इसलिए, यादव को ऑस्ट्रेलिया के लिए उड़ान भरने वाली टीम में चुने जाने के अवसरों को बढ़ाने का यह शानदार अवसर मिला है। रोहित शर्मा (कप्तान), सूर्यकुमार यादव, कीरोन पोलार्ड, जसप्रीत बुमराह, ईशान किशन, देवाल्ड ब्रेविस, बासिल थम्पी, मुरुगन अश्विन, जयदेव उदादकट, मयंक मार्कंडे, एन तिलक वर्मा, संजय यादव, जोफ्रा आर्चर, डेनियल सैम्स, टाइमल मिल्स, टिम डेविड, अरशद खान, अनमोलप्रीत सिंह, रमनदीप सिंह, राहुल बुद्धि, ऋतिक शौकीन, अर्जुन तेंदुलकर, फैबियन एलन, आर्यन जुयाल, रिले मेरेडिथ।

क्रिकेट से संन्यास के फैसले पर मिताली राज ने दिया बयान

क्राइस्टचर्च ।

दिग्गज क्रिकेटर मिताली राज ने विश्व कप से पहले संन्यास लेने का संकेत दिया था लेकिन भारत की अनुभवी कप्तान ने रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका से हारकर विश्व कप के सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर होने के बाद कहा कि दिल तोड़ने वाले परिणाम के बाद भविष्य के बारे में फैसला करने का यह सही समय नहीं है। छह वनडे विश्व कप खेलने वाली इकलौती महिला क्रिकेटर ने कहा कि वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी लीग मैच में तीन विकेट की हार की निराशा से बाहर नहीं निकल पाई है। आपने आज जो हुआ उसे समझने और मुझे मेरे भविष्य के बारे में सोचने के लिए एक घंटे का भी समय नहीं दिया। जब आप विश्व कप के लिए एक साल से अधिक समय तक लगातार मेहनत के साथ तैयारी करते है और आपका अभियान इस तरह से समाप्त होता है तो काफी निराशा होती है। इसे स्वीकार करने और वहां से आगे बढ़ने में समय लगता है। उन्होंने कहा कि किसी भी खिलाड़ी का भविष्य कैसा भी हो, मैंने वास्तव में अपने भविष्य के बारे में नहीं सोचा है। सचिन तेंदुलकर और जावेद मियांदाद के बाद मिताली छह विश्व कप में खेलने वाली तीसरी क्रिकेटर (पुरुष और महिला) है। उन्होंने पहले अपने संन्यास के बारे में संकेत देते हुए कहा था कि उनके लिए 'जीवन का एक चक्र पूरा हुआ क्योंकि वह अपनी 'यात्रा को खत्म करने की ओर देख रही है। उन्होंने हालांकि रविवार को कहा कि वह अपने करियर के भविष्य का फैसला तब करेगी जब 'भावनाएं काबू में होगी । मिताली से जब पूछा गया कि क्या भारतीय टीम की जर्सी में यह उनका आखिरी मैच था तो उन्होंने कहा कि मैं अभी इस पर बात करने के लिए सही स्थिति में नहीं हूं। मेरे लिए अभी अपने भविष्य पर टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। हमने आज जिस तरह का प्रदर्शन किया वह देखते हुए अभी भावनाओं पर काबू पाना मुश्किल है। विश्व कप से बाहर होने से भारत की दिग्गज तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी का शानदार करियर भी समाप्त हो सकता है, जो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मांसपेशियों में खिंचाव के कारण मैदान पर नहीं उतर सकी थी।

मिताली ने कहा कि खिलाड़ियों की एक पीढ़ी जाएगी तो दूसरी आएगी। टीम को आगे बढ़ते रहना होगा। हर विश्व कप के बाद टीम में हमेशा बदलाव होता है। इसमें नये चेहरे भी होंगे और कुछ अनुभवी खिलाड़ी होंगे। भारतीय टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने के बाद दक्षिण अफ्रीका की पारी की शुरुआत में विकेट लेने में नाकाम रही और मिताली ने कहा कि टीम को झूलन गोस्वामी की कमी खली।

संक्षिप्त समाचार

मिताली विश्व कप में दूसरी सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी बनीं

क्राइस्टचर्च । भारतीय महिला वनडे क्रिकेट की कप्तान मिताली राज रविवार को आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में सर्वाधिक रन बनाने वाली दूसरी खिलाड़ी बन गई। 39 वर्षीय मिताली ने यहां हेगले ओवल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2022 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप में भारत के आखिरी लीग मैच 84 गेंदों पर आठ चौकों की मदद से 68 रन बना कर यह कीर्तिमान हासिल किया। विश्व कप में मिताली के नाम अब 36 पारियों में 1321 रन हैं। वह केवल न्यूजीलैंड की डेबी हॉकले से पीछे हैं, जिनके 43 पारियों में 1501 रन हैं। इंग्लैंड की जेनेट ब्रिटिन (35 पारियों में 1299 रन) और चार्लोट एडवर्ड्स (28 पारियों में 1231 रन) तथा न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स (26 पारियों में 1179 रन) शीर्ष पांच में शामिल हैं।

न्यूजीलैंड का यह बल्लेबाज कोविड पॉजिटिव, वनडे सीरीज से हुआ बाहर

आकलैंड । न्यूजीलैंड के बल्लेबाज मार्क चैपमैन कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के कारण नीदरलैंड के खिलाफ आगामी वनडे श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। तीन मैचों की श्रृंखला में उनकी जगह जॉर्ज वर्कर ने ली है। उन्होंने आखिरी बार 2018 में न्यूजीलैंड के लिए खेला था। टी20 टीम का हिस्सा रहे चैपमैन शनिवार को नेपियर से आकलैंड पहुंचे और रविवार को उनमें कोरोना के लक्षण पाए गए। इसके बाद कराए गए रैपिड एंटीजेन टेस्ट में वह पॉजिटिव पाए गए। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा कि यह मार्क के लिए दुखद है और हम सभी को बुरा लग रहा है। उसने स्वास्थ्य प्रोटोकॉल का पालन करते हुए टेस्ट कराया जो सही था। वर्कर सोमवार को माउंट मोनगानुइ में टीम से जुड़ेंगे। न्यूजीलैंड को 29 मार्च को पहला वनडे खेलना है ।

युवा खिलाड़ी तिलक वर्मा ने अपनी बल्लेबाजी से किया प्रभावित

स्पोर्ट्स डेस्क । जब एक इलेक्ट्रीशियन पिता अपने बेटे की क्रिकेट की जरूरतों को पूरा करने में विफल रहा, तो उसके सभी खर्चों का ध्यान रखने और उससे बढ़ाने के लिए एक कोच आगे आया। इस तरह से वह 9 साल का लड़का जो कभी हैदराबाद के चंद्रयानगुट्टा इलाके की गलियों में खेल रहा था और जिसका स्टांस, कट और पुल शॉट आकर्षक हैं अब 19 वर्ष की उम्र में इंडियन प्रीमियर लीग की नीलामी में 1.7 करोड़ रुपए में खरीदा जाता है। वर्मा को नीलामी में मुंबई इंडियन्स ने खरीदा। इस युवा खिलाड़ी ने इस मुकाम पर पहुंचाने का श्रेय अपने कोच सलाम बायश को दिया जिन्होंने उन्हें जरूरी साजो सामान और कोचिंग के अलावा भोजन और जरूरत पड़ने पर अपने घर में रहने के लिए भी जगह दी। तिलक वर्मा के पिता नम्बूरी नागराजू अपने बेटे को क्रिकेट अकादमी भेजने की स्थिति में नहीं थे लेकिन सलाम ने उसके सभी खर्चों को वहन किया जिसके दम पर आज वह इस मुकाम पर पहुंचा।

रवि शास्त्री ने विराट कोहली के लिए बोली बड़ी बात, कहा- ...तो खतरे में पड़ जाएगी ऑरेंज कैप

स्पोर्ट्स डेस्क ।

इंडियन प्रीमियर लीग 2022 शुरू हो गया है और यह देखा जाना बाकी है कि नई टीमें इस बार कैसे अपनी छाप छोड़ पाती हैं। वहीं लोगों को इस बार आरसीबी के धमाकेदार बल्लेबाज विराट कोहली से काफी उम्मीदें होंगी जो इस बार कप्तानी को बोझ से मुक्त हैं। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के बल्लेबाजी स्टार पर बड़ा खुलासा किया है। शास्त्री का मानना है कि कोहली इस सीजन में अपनी फ्रेंचाइजी के लिए ओपनिंग करते हुए आसानी से ऑरेंज कैप हासिल कर सकते हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच से पहले शास्त्री ने कहा, अगर विराट कोहली इस आईपीएल 2022 में ओपन करते हैं, तो मुझे यकीन है कि ऑरेंज कैप खतरे में पड़ जाएगी।

इस बारे में आगे बोलते हुए उन्होंने कहा कि क्या पूर्व भारतीय कप्तान तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे या ओपनिंग करेंगे, शास्त्री ने कहा कि यह सब टीम संयोजन पर निर्भर करता है। यह अत्यधिक संभावना है कि आरसीबी के नवनियुक्त कप्तान फॉफ डु प्लेसिस उनके लिए क्रम की शुरुआत करेंगे। पूर्व भारतीय कोच ने कहा कि यह टीम के संतुलन पर निर्भर करता है। मुझे नहीं पता कि उनका मध्य क्रम क्या है, लेकिन अगर उनके पास बहुत मजबूत मध्य क्रम है तो विराट की ओपनिंग में कोई बुराई नहीं है। भले ही कोहली इस सीजन में एक नियमित खिलाड़ी के रूप में खेल रहे हों, लेकिन आरसीबी के लिए उनके बल्लेबाजी योगदान को बहुत उम्मीद के साथ देखा जाएगा और उन्हें पहले खिताब की तलाश में भी बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। आरसीबी अपने आईपीएल 2022 अभियान की शुरुआत रविवार 27 मार्च को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ करेगी।

लीग में 5 से 6 टीमें होंगी, 4 मौजूदा फ्रेंचाइजी ने टीमें खरीदने में रुचि दिखाई

मुंबई । लंबे इंतजार और कयासबाजी के बाद अब महिला को लेकर तस्वीर साफ होने लगी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के प्रेसिडेंट सौरव गांगुली ने बताया कि 2023 में महिला का पहला सीजन खेला जा सकता है। पहले साल 5 से 6 टीमें लीग का हिस्सा हो सकती हैं।पुरुष की सभी मौजूदा फ्रेंचाइजी को महिला में टीम खरीदने का पहला मौका दिया जाएगा। सूत्रों कों मुताबिक पुरुष टीमों की 4 फ्रेंचाइजी ने महिला की टीम बनाने में रुचि दिखाई है। बहरहाल इस साल विमेंस टी-20 चैलेंज का आयोजन होगा। तीन महिला टीमों की भागीदारी वाला यह टूर्नामेंट पुरुष के बीच में होता है। पिछले साल (2021) में इसका आयोजन नहीं हो सका है। गांगुली ने गवर्निंग काउंसिल की मीटिंग के बाद कहा कि महिला को सबसे पहले की सालाना आम बैठक (एजीएम) में स्वीकृति दिलानी होगा। इसके बाद आगे की कार्रवाही होगी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में पहले से प्रोफेशनल महिला क्रिकेट लीग का आयोजन हो रहा है। ऑस्ट्रेलिया में विमेंस बिग बैश लीग और इंग्लैंड में द हंड्रेड का आयोजन हो रहा है। पाकिस्तान और बांग्लादेश भी महिला लीग शुरू करने की योजना पर काम रहे हैं। अब तक विमेंस आईपीएल नाम से नहीं होता था। बल्कि विमेंस टी-20 चैलेंजस नाम से होता है। साल 2018 से शुरुआत हुई। शुरू में 2 टीमें भाग लिया और केवल 1 मैच खेला था। जबकि 2019 से 3 टीमें भाग लेने लगीं। 2020 में ट्रेलब्लेजर्स ने खिताब जीता। इससे पहले साल 2018 में सिर्फ एक मुकाबला खेला गया था, जिसे सुपरनोवाज ने जीता था। वहीं, साल 2019 में फाइनल समेत चार मुकाबले खेले गए थे। सुपरनोवाज ने वेलोसिटी को हराकर खिताब जीता था, लेकिन 2020 में सुपरनोवाज को फाइनल में हार मिली है और ट्रेलब्लेजर्स की टीम विजेता बनी। कोरोना की वजह से दो सीजन नहीं हुए। 2020 और 2021 में विमेंस टी-20 मैच नहीं खेले गए।

मैच जीतकर बोले श्रेयस अय्यर, धोनी जब बल्लेबाज कर रहे थे तो हम तनाव में थे

खेल डैस्क । कोलकाता नाइट राइडर्स ने एक बार फिर से आईपीएल के ओपनिंग मुकाबले में जीत के साथ शुरूआत की है। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेल गए मैच में कोलकाता ने 6 विकेट से जीत हासिल की। इसके साथ ही टीम के नए कप्तान श्रेयस अय्यर बेहद खुश दिखे। उन्होंने मैच जीतने के बाद चेन्नई के विकेटकीपर बल्लेबाजी महेंद्र सिंह धोनी की खूब तारीफ की। धोनी ने 38 गेंदों में 50 रन बनाकर चेन्नई को 131 रन तक पहुंचाया था ऐसे में श्रेयस बोले- एमएस धोनी जब भी बल्लेबाजी करते हैं तो दूसरी टीम के लिए यह तनाव के क्षण होते हैं जैसे कि हमारे लिए भी थे। श्रेयस ने कहा कि मुझे पता था कि इस मैदान पर ओस एक बड़ी भूमिका निभाती है। ऐसे में टॉस जीतने के बाद मेरे दिमाग में सर्वप्रथम गेंदबाजी ही थी। हमने अच्छा टॉस जीता। अगर दूसरी पारी की बात की जाए तो इसमें गेंद को पकडना मुश्किल था। इसका हमें फायदा मिला। बल्लेबाजी आसान थी जिससे हम जीत की ओर बढ़ गए। वहीं, श्रेयस ने नई फ्रेंचाइजी के साथ बतौर कप्तान जुडने पर कहा कि वह इसका आनंद ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह हमारी कल्पना से कहीं ज्यादा था।

कुलदीप यादव खुद को साबित करने और टी-20 विश्वकप में जगह बनाने के लिए मैदान में उतरेंगे

कानपुर ।

आईपीएल-15 से पहले हुए ऑक्शन के बाद सभी टीमों में भारी उलट-फेर देखने को मिल रहा है। इसी उलट-फेर के चलते कानपुर के कुलदीप यादव केकेआर की जगह नीली जर्सी में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेलते नजर आएंगे। हालांकि कुलदीप बीते कई दिनों से टीम से बाहर थे। हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ खेली गई सीरीज में उन्हें टीम में तो चुना गया। लेकिन, प्लेइंग इलेवन में वह अपनी जगह नहीं बना पाए। ऐसे में यह आईपीएल उनके लिए गेम चेंजर साबित हो सकता है। कुलदीप भी इस आईपीएल को अपने करियर का अहम पड़ाव मानते हैं। इन्हीं मुद्दों को लेकर जब भास्कर ने कुलदीप से फोन पर बातचीत करने की कोशिश की तो उन्होंने ज्यादा बात न करते हुए भी बहुत कुछ कह दिया। आईपीएल के सीजन 14 तक कुलदीप कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ में थे। लेकिन इस बार उन्हें दिल्ली कैपिटल्स ने अपनी टीम में शामिल किया है। कुलदीप अभी तक खेले गए आईपीएल के 45 मैचों में 40 विकेट ले चुके है। यह खिलाड़ी अपने आप को साबित करने के लिए इस बार मैदान में उतरेगा क्योंकि इससे पहले भी चाइनामैन कहे जाने वाले कुलदीप को टीम इंडिया में तो शामिल कर लिया जाता था लेकिन वह प्लेइंग इलेवन में जगह बनाने में कामयाब नहीं हो पाए थे। क्रिकेट के जानकारों मुताबिक इस बार अगर कुलदीप यादव आईपीएल के इस सीजन में कुछ नहीं दिखा पाए तो उनका करियर लगभग खत्म हो जाएगा क्योंकि ऐसे कई नए खिलाड़ी है जो टीम में जगह बनाने में लगे हुए है। चाइनामैन कुलदीप यादव को अभी हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ खेले गई टेस्ट श्रृंखला के दूसरे, आखिरी और निर्णायक टेस्ट से बाहर कर दिया गया था।

लवलीना ने किया खेल विज्ञान का समर्थन, तभी बनेगा भारत खेलों की महाशक्ति

नयी दिल्ली । तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन को लगता है कि देश के खिलाड़ियों को ट्रेनिंग में पूर्ण रूप से वैज्ञानिक दृष्टिकोण की जरूरत है ताकि भारतीय खिलाड़ी ओलंपिक जैसे बड़े टूर्नामेंट में और अधिक पदक जीत सकें। लवलीना भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वैश्विक खेल सम्मेलन 'स्कोरकार्ड 2022' के मौके पर बोल रही थीं जिसमें चर्चा की गयी कि भारत कैसे खेलों में प्रगति कर सकता है। लवलीना ने कहा- मेरा मानना है कि भारत में काफी प्रतिभा मौजूद है और भारतीय खिलाड़ी दुनिया में सबसे ज्यादा मेहनती हैं। मुझे लगता है कि ट्रेनिंग प्रणाली को पूरी तरह से वैज्ञानिक रूप लेने की जरूरत है ताकि हम और अधिक पदक जीत सकें। उन्होंने कहा- पिछले कुछ वर्षों में हमने काफी विकास किया है और वैज्ञानिक ट्रेनिंग भी शुरू हुई है लेकिन हमें इसे जमींनी स्तर से ही लागू करने की जरूरत है। भारत सरकार इन दिनों खेलों के लिये बहुत कुछ कर रही है। उन्होंने कहा- मैं इस समर्थन के बिना यहां तक नहीं पहुंच सकती थी। साथ ही लवलीना ने कहा- खेलों को शुरू से ही स्कूल में नियमित विषय बनना चाहिए जो ग्रेजुएशन तक रहना चाहिए और खेल विज्ञान इसके लिये अहम होना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हनुमानजी अपनी शक्ति क्यों भूल गए थे?

श्री सीता हरण के बाद हनुमानजी और श्रीराम का मिलन हुआ और हनुमानजी ने श्रीराम को सुग्रीव, जामवंत आदि वानरयूथों से मिलाया। फिर जब लंका जाने के लिए रामसेतु बनाया गया तो श्रीराम ने हनुमानजी को लंका जाने का आदेश दिया, परंतु हनुमानजी ने लंका जाने में अपनी असमर्थता जताई तब जामवंतजी ने हनुमानजी को उनकी शक्तियों की याद दिलाई। परंतु सवाल यह है कि हनुमानजी अपनी शक्ति क्यों भूल गए थे? दरअसल, हनुमानजी को कई देवताओं ने विभिन्न प्रकार के वरदान और अस्त्र-शस्त्र दिए थे। इन वरदानों और अस्त्र-शस्त्र के कारण बचपन में हनुमानजी उधम मचाने लगे थे। खासकर वे ऋषियों के बगीचे में घुसकर फल, फूल खाते थे और बगीचा उजाड़ देते थे। वे तपस्यारत मुनियों को तंग करते थे। उनकी शरारतें बढ़ती गई तो मुनियों ने उनकी शिकायत उनके पिता केसरी से की। माता-पिता में खूब समझाया कि बेटा ऐसा नहीं करते, परंतु हनुमानजी शरारत करने से नहीं रुके तो एक दिन अंगिरा और भृगुवंश के ऋषियों ने कुपित होकर उन्हें श्राप दे दिया कि वे अपने शक्तियों और बल को भूल जाएंगे परंतु उचित समय पर उन्हें उनकी शक्तियों को कोई याद दिलाएगा तो याद आ जाएगी। फिर जब हनुमानजी को श्रीराम का कार्य करना था तो जामवंत जी का हनुमानजी के साथ लंबा संवाद होता है। इस संवाद में वे हनुमानजी के गुणों का बखान करते हैं और तब हनुमानजी को अपनी शक्तियों का आभास होने लगता है। अपनी शक्तियों का आभास होते ही हनुमानजी विराट रूप धारण करते हैं और समुद्र को पार करने के लिए उड़ जाते हैं।

छठी इंद्री क्या होती है, इसे कैसे जागृत किया जा सकता है

- छठी इंद्री को अंग्रेजी में सिक्स्थ सेंस कहते हैं। यह क्या होती है, कहां होती है और कैसे इसे जाग्रत किया जा सकता है यह जानना भी जरूरी है। इसे जाग्रत करने के लिए वेद, उपनिषद, योग आदि हिन्दू ग्रंथों में अनेक उपाय बताए गए हैं। नास्त्रेदमस इसी तरह के उपायों से भविष्यवक्ता बने थे।
- मस्तिष्क के भीतर कपाल के नीचे एक छिद्र है, उसे ब्रह्मरंध्र कहते हैं, वहीं से सुषुम्ना नाड़ी सहस्रकार के जुड़कर रीढ़ से होती हुई मूलाधार तक गई है। इसी नाड़ी के बायीं ओर इड़ा और दायीं ओर पिंगला नाड़ी स्थित है। दोनों के बीच सुप्तावस्था में छठी इंद्री स्थित है।
- यह छठी इंद्री ही हमें हर वक्त आने वाले खतरे या भविष्य में होने वाली घटनाओं का आभास करती रहती है लेकिन कुछ लोग इसे स्पष्ट समझ लेते हैं और कुछ नहीं। यदि आप इसे समझें तो आपके साथ घटने वाली घटनाओं के प्रति ये इंद्री आपको सजग कर देगी।
- छठी इंद्री जाग्रत होने से व्यक्ति में भूत और भविष्य में झांकने की क्षमता आ जाती है। ऐसा व्यक्ति मीलों दूर बैठे व्यक्ति की बातें सुन सकता और उसे देख भी सकता है। दूसरों के मन की बात जान ही नहीं सकता बल्की उनका मन बदल भी सकता है और दूसरों की बीमारी दूर की जा सकती है।
- वैज्ञानिकों के अनुसार छठी इंद्री कल्पना नहीं, वास्तविकता है, जो हमें किसी घटित होने वाली घटना का पूर्वाभास कराती है। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया के रॉन रेसिक के अनुसार छठी इंद्रिय के कारण ही हमें भविष्य में होने वाली घटनाओं का पूर्वाभास होता है।
- छठी इंद्री को जाग्रत करने का बहुत ही सरल तरीका है। तीन माह के लिए खुद को परिवार और दुनिया से काटकर आपको योग की शरण में जाना होगा। यम, नियम, प्राणायम और योगासन करते हुए लगातार ध्यान करना होगा।
- प्राणायाम सबसे उत्तम उपाय इसलिए माना जाता है क्योंकि हमारी दोनों भौहों के बीच छठी इंद्री होती है। सुषुम्ना नाड़ी के जाग्रत होने से ही छठी इंद्री जाग्रत हो जाती है। प्राणायम के माध्यम से छठी इंद्री को जाग्रत किया जा सकता है।
- मेस्मेरिज्म या हिप्नोटिज्म जैसी अनेक विद्याएं इस छठी इंद्री को जाग्रत करने का सरल और शॉर्टकट रास्ता है लेकिन इसके खतरे भी हैं। हिप्नोटिज्म को सम्मोहन कहते हैं। सम्मोहन विद्या को ही प्राचीन समय से 'प्राण विद्या' या 'त्रिकालविद्या' के नाम से पुकारा जाता रहा है।
- मन के कई स्तर होते हैं। उनमें से एक है सुक्ष्म शरीर से जुड़ा हुआ आदिम आत्म चेतन मन। यह मन हमें आने वाले रोग या खतरें का संकेत देकर उससे बचने के तरीके भी बताता है। इस मन को प्राणायाम या सम्मोहन से साधा जा सकता है।
- त्राटक क्रिया से भी इस छठी इंद्री को जाग्रत कर सकते हैं। आप बिना पलक गिराए किसी एक बिंदु, क्रिस्टल बॉल, मोमबत्ती या घी के दीपक की ज्योति पर देखते रहिए। इसके बाद आंखें बंद कर ध्यान करें। कुछ समय तक इसका अभ्यास करें। इससे धीरे-धीरे छठी इंद्री जाग्रत होने लगेगी।
- ऐसा कई बार देखा गया है कि कई लोगों ने अंतिम समय में अपनी बस, ट्रेन अथवा हवाई यात्रा को कैंसिल कर दिया और वे चमत्कारिक रूप से किसी दुर्घटना का शिकार होने से बच गए। बस यही छठी इंद्री का कमाल है। आप इसे पहचानें क्योंकि यह सभी संवेदनशील लोगों के भीतर होती है।
- यदि आपको यह आभास होता है कि पीछे कोई चल रहा है या दरवाजे पर कोई खड़ा है। कुछ होनी-अनहोनी होने वाली है या कोई खुशी का समाचार मिलने वाला है तो आप अपनी इस क्षमता पर लगातार गौर करें और ध्यान देंगे तो यह विकसित होने लगेगी। जैसे-जैसे अभ्यास गहराएगा आपकी छठी इंद्री जाग्रत होने लगेगी और आप भविष्यवक्ता बन जाएंगे।

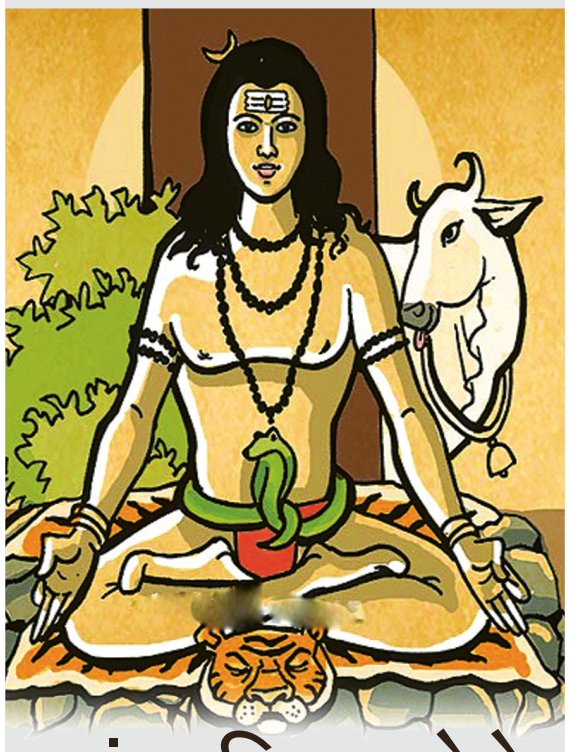

तुरंत सिद्ध होते हैं साबर मंत्र

वैदिक अथवा तांत्रोक्त अनेक ऐसे मंत्र हैं, जिसमें साधना करने के लिए अत्यंत सावधानी की जरूरत होती है। असावधानी से कार्य करने पर प्रभाव प्राप्त नहीं होता अथवा सारा श्रम व्यर्थ चला जाता है, परंतु शाबर मंत्रों की साधना या सिद्धि में ऐसी कोई आशंका नहीं होती। यह सही है कि इनकी भाषा सरल और सामान्य होती है।

माना जाता है कि लगभग सभी साबर साधनाओं और मंत्रों का अविष्कार गुरु गोरखनाथ ने किया है। यह मंत्र बहुत जल्दी ही सिद्ध भी हो जाते हैं और इनकी साधनाएं बहुत ही सरल होती हैं। ओम गुरुजी को आदेश गुरजी को प्रणाम, धरती माता धरती पिता, धरती धरे ना धीरबाजे श्रींगी बाजे तुरतुरि आया गोरखनाथमीन का पुत मुंज का छड़ा लोहे का कड़ा हमारी पीठ पीछे यति हनुमंत खड़ा, शब्द सांचा पिंड काचास्फुरो मन्त्र ईश्वरो वाचा।।

इस मन्त्र को सात बार पढ़ कर चाकू से अपने चारों तरफ रक्षा रेखा खींच ले गोलाकार, स्वयं हनुमानजी साधक की रक्षा करते हैं। शर्त यह है कि मंत्र को विधि विधान से पढ़ा गया हो। साबर मंत्रों को पढ़ने पर ऐसा कुछ भी अनुभव नहीं होता कि इनमें कुछ विशेष प्रभाव है, परंतु मंत्रों का जप किया जाता है तो असाधारण सफलता दृष्टिगोचर होती है। कुछ मंत्र तो ऐसे हैं कि जिनको सिद्ध करने की जरूरत ही नहीं है, केवल कुछ समय उच्चारण करने से ही उसका प्रभाव स्पष्ट दिखाई देने लगता है। यदि किसी मंत्र की संख्या निर्धारित नहीं है तो मात्र 1008 बार मंत्र जप करने से उस मंत्र को सिद्ध समझना चाहिए। दूसरी बात शाबर मंत्रों की सिद्धि के लिए मन में दृढ़ संकल्प और इच्छा शक्ति का होना आवश्यक है। जिस प्रकार की इच्छा शक्ति साधक के मन में होती है, उसी प्रकार का लाभ उसे मिल जाता है। यदि मन में दृढ़ इच्छा शक्ति है तो अन्य किसी भी बाह्य परिस्थितियों एवं कुविचारों का उस पर प्रभाव नहीं पड़ता।

9 प्रमुख मणियां किस मणि को धारण करने से क्या होता है

आपने पारस मणि, नागमणि, कौस्तुभ मणि, चंद्रकांता मणि, नीलमणि, स्यमंतक मणि, स्फटिक मणि आदि का नाम तो सुना ही होगा, परंतु ही यहां निम्नलिखित नौ मणियों की बात कर रहे हैं- घृत मणि, तैल मणि, भीष्मक मणि, उपलक मणि, स्फटिक मणि, पारस मणि, उलूक मणि, लाजावर्त मणि, मासर मणि। आओ जानते हैं कि इन मणियों को धारण करने से क्या होता है। हालांकि यह सभी बातें मान्यता पर आधारित हैं।

- घृत मणि की माला धारण कराने से बच्चों को नजर से बचाया जा सकता है।
- स्फटिक मणि को धारण करने से कभी भी लक्ष्मी नहीं रूठती।
- तैल मणि को धारण करने से बल-पौरूष की वृद्धि होती है।
- भीष्मक मणि धन-धान्य वृद्धि में सहायक है।
- उपलक मणि को धारण करने वाला व्यक्ति भक्ति व योग को प्राप्त करता है।
- उलूक मणि को धारण करने से नेत्र रोग दूर हो जाते हैं।
- लाजावर्त मणि को धारण करने से बुद्धि में वृद्धि होती है।
- मासर मणि को धारण करने से पानी और अग्नि का प्रभाव कम होता है।

तेलमणि को धारण करने से होती हैं सभी मनोकामनाएं पूर्ण

आपने पारस मणि, नागमणि, कौस्तुभ मणि, चंद्रकांता मणि, नीलमणि, स्यमंतक मणि, स्फटिक मणि आदि का नाम तो सुना ही होगा, परंतु ही यहां निम्नलिखित नौ मणियों की बात कर रहे हैं- घृत मणि, तैल मणि, भीष्मक मणि, उपलक मणि, स्फटिक मणि, पारस मणि, उलूक मणि, लाजावर्त मणि, मासर मणि। आओ जानते हैं कि तेलमणि को धारण करने से क्या होता है। हालांकि यह सभी बातें मान्यता पर आधारित हैं।

- तेलमणि को उदउक, उदोक भी कहते हैं और अंग्रेजी में टूर्मेलीन कहा जाता है।
- लाल रंग की आभा लिए हुए श्वेत, पीत व कृष्ण वर्ण की होती है तेलमणि और स्पर्श करने से तेल जैसा चिकना ज्ञात होता है।
- कहते हैं कि श्वेत रंग की तेलमणि को अग्नि में डालने पर ही पीत वर्ण की तथा कपड़े में लपेट कर रखने पर तीसरे दिन पीत वर्ण की हो जाती है। लेकिन बाहर निकालकर हवा में रखने से कुछ समय बाद ही यह पुनः अपने असली रंग में बदल जाती है।
- इस मणि को धारण करने से भक्ति भाव, वैराग्य तथा आत्म ज्ञान प्राप्त होकर सभी तरह की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।
- कहते हैं कि रोहिणी नक्षत्र, पूर्णिमा या मंगलवार के दिन तेलमणि को जिस खेत में 4-5 हाथ गहरे गड्ढे में खोदकर दबा दिया जाए और मिट्टी से ढंककर सींचा जाए तो सामान्य से बहुत अधिक अन्न उत्पन्न होता है।

इन कारणों से दिखाई देते हैं हमें अच्छे या बुरे सपने

मनोविज्ञान, आयुर्वेद, ज्योतिष और योग में अच्छे या बुरे सपने दिखाई देने के कई कारण बताए गए हैं। जब हम कोई स्वप्न देखते हैं तो जरूरी नहीं कि प्रत्येक सपने का अच्छा या बुरा फल होता है। आओ जानते हैं कि सपने किन कारणों से दिखाई देते हैं।

अधिकतर सपने हमें हमारी दिनचर्या में किए गए कार्य से प्राप्त होते हैं। कार्य का अर्थ हमने जो देखा, सुनना, समझा, इच्छा किया और भोगा वह हमारे चित्त में विराजित होकर रात में स्वप्नों के रूप में दिखाई देता है। यह सब बदले स्वरूप में इसलिए भी होते हैं क्योंकि वे हमारे शरीर में स्थित भोजन और पानी की स्थिति और अवस्था से भी संचालित होते हैं। निम्नलिखित बातों से आप समझ सकते हैं। इन कारणों से दिखाई देते हैं स्वप्न :-

- दृष्ट- जो जाग्रत अवस्था में देखा गया हो उसे स्वप्न में देखना।
- श्रुत- सोने से पूर्व सुनी गई बातों को स्वप्न में देखना।
- अनुभूत- जो जागते हुए अनुभव किया हो उसे देखना।
- प्रार्थित- जाग्रत अवस्था में की गई प्रार्थना की इच्छा को स्वप्न में देखना।
- दोषजन्य- वात, पित्त आदि दूषित होने से स्वप्न देखना।
- भाविक- जो भविष्य में घटित होना है, उसे देखना।

अतः अब आप जान सकते हैं कि आपने जो सपने देंखे हैं वे किस श्रेणी के हैं। इससे आप यह भी अनुमान लगा सकते हैं कि आपका सपना शुभ होगा या अशुभ।

हिन्दू धर्म में सफेद वस्त्र का क्या है महत्व

हिन्दू धर्म में सफेद वस्त्र का बहुत महत्व है। सफेद रंग हर तरह से शुभ माना गया है, लेकिन वक्त के साथ लोगों ने इस रंग का मांगलिक कार्यों में इस्तेमाल बंद कर दिया। हालांकि प्राचीनकाल में सभी तरह के मांगलिक कार्यों में इस रंग के वस्त्रों का उपयोग किया जाता था। यह रंग शांति, शुभता, पवित्रता और मोक्ष का रंग है।

लक्ष्मी का वस्त्र : सच तो यह है कि सफेद रंग सभी रंगों में अधिक शुभ माना गया है इसीलिए कहते हैं कि लक्ष्मी हमेशा सफेद कपड़ों में निवास करती है। **मांगलिक वस्त्र** : 20-25 वर्षों पहले तक लाल जोड़े में सजी दुल्हन को सफेद ओढ़नी ओढ़ाई जाती थी। इसका यह मतलब कि दुल्हन ससुराल में पहला कदम रखे तो उसके सफेद वस्त्रों में लक्ष्मी का वास हो। आज भी ग्रामीण क्षेत्र में सफेद ओढ़नी की परंपरा का पालन किया जाता है।

यज्ञकर्ता का वस्त्र : प्राचीन काल में जब भी यज्ञ किया जाता था तो पुरुष और महिला दोनों ही सफेद वस्त्र ही धारण करके बैठते थे। पुरोहित वर्ग इसी तरह के वस्त्र पहनकर यज्ञ करते थे। दूसरी ओर आज भी किसी भी सम्मान समारोह आदि में सफेद कुर्ता और धोती पहनने का रिवाज है।

विधावा का वस्त्र : यदि किसी का पति मर गया तो उसे विधवा और किसी की पत्नी मर गई है तो उसे विधुर कहा जाता है। शास्त्रों के अनुसार पति की मृत्यु के नौवें दिन उसे दुनियाभर के रंगों को त्यागकर सफेद साड़ी पहननी होती है, वह किसी भी प्रकार के आभूषण एवं श्रृंगार नहीं कर सकती। स्त्री को उसके पति के निधन के कुछ सालों बाद तक केवल सफेद वस्त्र ही पहनने होते हैं और उसके बाद यदि वह रंग बदलना चाहे तो बेहद हल्के रंग के वस्त्र पहन सकती है। मध्यकाल में हिन्दू धर्म में कई तरह की बुराइयां सम्मलित हुई उसमें एक यह भी थी कि कोई स्त्री यदि विधवा हो जाती थी तो वह दूसरा विवाह नहीं कर पाती थी। हालांकि आज भी उत्तर भारत के ग्रामीण इलाकों में विधवा विवाह का प्रचलन है जिसे नाता कहा जाता है। कोई स्त्री पुनर्विवाह का निर्णय लेती है, तो इसके लिए वह स्त्रतंत्र है। आज समाज का स्वरूप बदल रहा है। विधवाएं रंगीन वस्त्र भी पहन रही है और शादी भी कर रही हैं। वेदों में एक विधवा को सभी अधिकार देने एवं दूसरा विवाह करने का अधिकार भी दिया गया है। वेदों में एक कथन शामिल है-

'उदीरष्व नार्यभि जीवलोकं
गतासुमेतमुप शेष एहि।
हस्तग्राभस्य दिधिषोस्तवेदं
पत्युर्जनित्वमभि सम्बभूथ।'

अर्थात पति की मृत्यु के बाद उसकी विधवा उसकी याद में अपना सारा जीवन व्यतीत कर दे, ऐसा कोई धर्म नहीं कहता। उस स्त्री को पूरा अधिकार है कि वह आगे बढ़कर किसी अन्य पुरुष से विवाह करके अपना जीवन सफल बनाए। चार कारणों से विधवा महिलाओं को सफेद वस्त्र दिए गए। पहला यह कि यह रंग कोई रंग नहीं बल्कि रंगों के अनुपस्थिति है। मतलब यह कि अब जीवन में कोई रंग नहीं बचा। दूसरा यह कि इससे महिला की एक अलग पहचान बन जाती है और लोग उसे सहानुभूति एवं संवेदना रखते हैं। तीसरा यह कि सफेद रंग आत्मविश्वास, सात्विक और शांति का रंग है। इसके साथ ही सफेद वस्त्र विधवा स्त्री को प्रभु में अपना ध्यान लगाने में मदद करते हैं। चौथा कराण यह कि इससे महिला का कहीं ध्यान नहीं भटकता है और उसे हर वक्त इसका अहसास होता है कि वह पवित्र है। पांचवां कारण यह कि यदि महिला के कोई पुत्र या पुत्री है तो वह अपने भीतर नैतिकता और जिम्मेदारी का अहसास करती रहे ताकि वह दूसरा विवाह नहीं करें। दोबारा शादी नहीं करने से पुत्र पुत्रियों के जीवन पर विपरित या प्रतिकुल असर नहीं पड़ता है।

यूक्रेन संघर्ष कर सकता है चीन-रूसी रक्षा संबंधों को प्रभावित :रिपोर्ट

बीजिंग।

चीन को लेकर एक थिंक टैंक की रिपोर्ट सामने आई है। थिंक टैंक का मानना है की चीन की फितरत है कि वो किसी भी परिस्थिति में सिर्फ अपना फायदा देखता है। चीन की यही परिस्थिति यूक्रेन-रूस युद्ध में भी नजर आ रही है। जेम्स क्रिक्टन ने थिंक-टैंक पॉलिसी रिसर्च ग्रुप पोरेग में लिखते हुए कहा कि अपने सैन्य मित्र रूस की संकटपूर्ण स्थिति का लाभ उठाते हुए चीन द्वारा अपनी सेना और अपने परमाणु शस्त्रागार के आधुनिकीकरण को गति देने की संभावना है। उन्होंने लिखा कि चीन और रूस बेशक करीबी रक्षा साझेदार हैं और यह एकतरफा संबंध है जो मास्को की तुलना में बीजिंग के लिए फायदेमंद है। रूस अपनी सैन्य प्रशिक्षण अवधारणाओं और प्रौद्योगिकी को बेचना चाहता है जबकि चीन अपनी सेना के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया में तेजी लाना चाहता है। रिपोर्ट के अनुसार पश्चिमी रक्षा संगठन पहले से ही संभावित परिदृश्यों का पता लगा रहे हैं जिससे संघर्ष की स्थिति पैदा हो सकती है। राजनयिक पश्चिम की दुविधा को संक्षेप में परिभाषित करते हैं÷आने वाले महीनों और वर्षों में द्विपक्षीय सैन्य संबंध कैसे विकसित होते हैं, इसका दोनों देशों की अपनी सेनाओं के आधुनिकीकरण, विरोधियों को विश्वसनीय रूप से रोकने और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने की क्षमता पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। विडंबना यह है कि पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण वर्तमान में रूस को अपने सैन्य बेड़े के लिए विमान के स्पेयर पाट्र्स और रखरखाव कार्यक्रमों की खरीद में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कहा जाता है कि चीनी कंपनियां भी रूस की मदद करने से इनकार कर रही हैं।पीओआरजी ने बताया कि हालांकि चीन सैन्य आयात पर अपनी निर्भरता कम कर रहा है, लेकिन रक्षा खरीद में पश्चिम की मदद करने की किसी भी संभावना के अभाव में, उसे रूस की ओर देखना होगा, भले ही यूक्रेन संघर्ष उनके द्विपक्षीय संबंधों को कैसे प्रभावित करे । चीन के रणनीतिक लक्ष्य का वर्णन करने के लिए कहा गया, बीजिंग में एक दर्जन से अधिक दूतावासों में राजनयिक लगभग एकमत हैं कि चीन प्रभाव के क्षेत्रों के आसपास निर्मित एक विश्व व्यवस्था चाहता है। यदि यूक्रेन में रूस के युद्ध से प्रभाव पड़ा तो भी चीन की रुचि रूस की मदद के बजाय अपने स्वयं के उदय में है ।

पाकिस्तान के डिजिटलाइजेशन के दावे खोखले, देश में नहीं है गूगल का एक भी आफिस

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान की इमरान सरकार के देश में डिजिटलाइजेशन (डिजिटलीकरण) को बढ़ावा देने के दावे खोखले साबित हो रहे हैं। इस बात की पोल तब खुली जब गूगल का एक भी आफिस देश में न होने की बात सामने आई। कोरोना के चलते बेशक पाकिस्तानियों की इंटरनेट खपत में वृद्धि हुई है जिसके साथ डिजिटल दिग्गजों के कार्यालयों जैसे कि गूगल के स्थानीयकरण की आवश्यकता बढ़ गई है लेकिन फिर भी पाकिस्तान के पास अभी तक कोई भी गूगल आफिस नहीं है। स्थानीय अखबार द न्यूज इंटरनेशनल ने गूगल के पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका के क्षेत्रीय निदेशक फरहान एस कुरैशी से जब पाकिस्तान में कार्यालय से संबंधित भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछा तो डिजिटलाइजेशन का सच सामने आ गया। कुरैशी ने कहा कि गूगल अभी कोई भी कार्यालय खोलना नहीं चाहता है और न ही आगे के लिए कोई योजना है, हालांकि उन्होंने कहा कि वह अवसरों की तलाश कर रहे हैं। दरअसल, पाकिस्तान में आतंक के खौफ की वजह से बड़ी कंपनियां यहां निवेश से डरती हैं। पाक में गूगल के आफिस न होने की एक वजह हो सकता है।

गौरतलब है कि गूगल पाक में आतंक के खिलाफ कार्रवाई भी करता रहा है, कुछ समय पहले ही उसने आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद के एक एप को गूगल प्लेस्टोर से भी हटा दिया था। हालांकि जानकारों की मानें तो पाक में बड़ी कंपनियों के लिए निवेश का बेहतर माहौल अभी तक नहीं बना है इसी कारण कंपनियां वहां आने से डरती हैं।

तालिबान का नया फरमान: पुरुष अभिभावक बगैर महिलाओं को फ्लाइट में अकेले सफर पर लगाई रोक

इस्लामाबाद।

अफगानिस्तान के तालिबान शासकों ने दर्जनों महिलाओं को कई उड़ानों में सवार होने की अनुमति देने से इनकार कर दिया क्योंकि वे पुरुष अभिभावकों के बगैर यात्रा कर रही थीं। दो अफगान एयरलाइन के अधिकारियों ने शनिवार को यह बताया। अधिकारियों ने बताया कि घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में सवार होने के लिए शुक्रवार को काबुल के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंची दर्जनों महिलाओं से कहा गया कि वे एक पुरुष अभिभावक के बगैर यात्रा नहीं कर सकतीं। एक अधिकारी ने बताया कि कुछ महिलाओं के पास दोहरी नागरिकता थी और वे अन्य देशों में स्थित अपने घर लौट रही थीं। उनमें से कुछ कनाडा से थी। काम एयर और सरकारी स्वामित्व वाले एरियाना एयरलाइन की इस्लामाबाद, दुबई और तुर्की के लिए उड़ानों में महिलाओं को सवार होने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने बताया कि यह आदेश तालिबान नेतृत्व से मिला है। अधिकारी ने बताया कि शनिवार तक, अकेली यात्रा कर रही कुछ महिलाओं को पश्चिमी हेरात प्रांत के लिए एरियाना एयरलाइन की उड़ान में सवार होने की अनुमति दी गई थी। हालांकि, जो समय सीमा दी गई थी उसके अंदर वे उड़ान में सवार होने से चूक गईं। हवाईअड्डे के प्रमुख और पुलिस प्रमुख, दोनों तालिबान से हैं और वे इस्लामी मौलवी हैं, शनिवार को एयरलाइन अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि तालिबान ने महीनों पहले एक आदेश जारी कर 72 किमी से अधिक की यात्रा के लिए महिलाओं को अपने साथ एक पुरुष अभिभावक रखना अनिवार्य कर दिया था। अधिकारी ने बताया, ''वे इस विषय का हल करने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच, दर्जनों लड़कियों ने स्कूल जाने का अधिकार मांगते हुए अफगान राजधानी में प्रदर्शन किया।

नाटो अभ्यास दौरान प्लेन क्रैश में मारे गए नौसैनिकों के शव भेजे अमेरिका

न्यूयार्क।

उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के एक अभ्यास के दौरान विमान दुर्घटना में मारे गए चार नौसैनिकों के शव शुक्रवार को अमेरिका भेज दिए गए। 'यूएस मरीन कॉर्प ने कहा कि 18 मार्च को आर्कटिक सर्कल में नॉर्वे के एक शहर में ऑस्प्रे विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें चार नौसैनिक मारे गए। नौसेना के अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि सैकड़ों अमेरिकी नौसैनिकों, नाविकों, सैन्य सदस्यों और नागरिकों ने शुक्रवार तड़के नॉर्वे के बोडो में दुर्घटना का शिकार हुए नौसैनिकों को अंतिम सलामी दी।

मरीन कोर के अधिकारियों ने कहा कि नौसैनिकों के शवों को 'एयर नेशनल गार्ड' सैन्य परिवहन विमान में रखा गया और डेलावेयर में डोवर वायुसेना अड्डा के लिए रवाना किया गया। दुर्घटना में लियोमिनस्टर, मैसाचुसेट्स के कैप्टन रॉस ए. रेनॉल्ड्स (27), फोर्ट वेन, इंडियाना के 27 वर्षीय कैप्टन मैथ्यू जे टॉमकिविज, गनरी सार्जेंट कैम्ब्रिज, ओहायो के 30 वर्षीय जेम्स डब्ल्यू स्पीडी और कैटलेट्सबर्ग, केंटुकी के सी.पी.एल. जैकब एम. मूर (24) की मौत हो गई। इन नौसैनिकों को 'मरीन मीडियम टिल्ट्रोटर स्क्वाड्रन 261, 'मरीन एयरक्राफ्ट ग्रुप 26, '2 मरीन एयरक्राफ्ट विंग को मरीन कोर एयर स्टेशन न्यू रिवर, नॉर्थ कैरोलिना में तैनात किया गया था। वे 'कोल्ड रिस्पांस नामक अभ्यास में भाग ले रहे थे।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने मार गिराए 6 बलूच अलगाववादी

पेशावर। पाकिस्तानी सेना ने शनिवार को कहा कि सुरक्षाबलों ने देश के अशांत दक्षिण पश्चिम क्षेत्र में आतंकवादियों के ठिकाने पर छापा मारा और इस दौरान 6 बलूच आतंकवादी मारे गए। सेना ने एक बयान में कहा कि बलूचिस्तान के सिब्बी जिले के समीप नगाओ पर्वतीय क्षेत्र में छापा मारा गया। आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलायी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में छह आतंकवादी मारे गए। भीषण मुठभेड़ में एक जवान भी मारा गया और दो अन्य घायल हो गए। मृतक आतंकवादी हाल में सिब्बी और आसपास के इलाकों में हमलों में शामिल थे। सुरक्षाबलों ने ठिकाने से हथियार और गोला बारुद भी बरामद किए। बलूचिस्तान में अलगाववादी इस्लामाबाद से आजादी की मांग करते रहे हैं।

कोलोराडो जंगलों में लगी आग हुई विकराल, हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के आदेश

इंटरनेशनल डेस्क। अमेरिका के कोलोराडो के जंगल में लगी आग अब विकराल होकर धीरे-धीरे दक्षिणी शहर बोल्डर की ओर बढ़ रही है जिसके चलते अधिकारियों ने 19 हजार लोगों को उस स्थान से निकालने और सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के आदेश दिए हैं। शहर के आपदा प्रबंधन कार्यालय के अनुसार शनिवार दोपहर तक जंगल की आग 123 एकड़ में फैल गयी। निकासी आदेश आठ हजार घरों के लिए जारी किए गए हैं। बोल्डर पुलिस ने ट्वीट किया कि टेबल मेसा के निकट संरक्षित वन भूमि में आग लगी है। आग के चलते 'एल्डोराडो कैन्यन स्टेट पार्क को बंद कर दिया गया है और अधिकारियों ने लोगों को क्षेत्र से जाने का आदेश दिया है। आग लगने के कारणों के बारे में फिलहाल जानकारी नहीं दी गयी है।

दुर्घटनाग्रस्त चीनी विमान का दूसरा ब्लैक बॉक्स मिला

बीजिंग। 'चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस के दुर्घटनाग्रस्त हुए 'बोइंग 737-800 विमान का दूसरा 'ब्लैक बॉक्स मिल गया है। यह विमान पिछले सप्ताह दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और इस हादसे में विमान में सवार 132 लोगों की मौत हो गई थी। इस विमान का 'कॉकपिट वाइस रिकॉर्डर चार दिन पहले मिल गया था। इसके बाद से 'फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर की तलाश की जा रही थी। इन दो रिकॉर्डर की मदद से जांचकर्ता यह पता लगा सकते हैं कि विमान आसमान से अचानक नीचे क्यों गिरा। चाइना ईस्टर्न एयरलाइन्स की उड़ान संख्या एमयू5735 सोमवार को कुनमिंग से दक्षिणपूर्वी चीन के ग्वांगझू आते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। सरकारी प्रसारक 'सीसीटीवी और आधिकारिक संवाद समिति शिन्हुआ ने अधिकारियों से हवाले से फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर मिलने की जानकारी दी।

'चाइना ईस्टर्न' के दुर्घटनाग्रस्त विमान का दूसरा ब्लैक बॉक्स मिला

बीजिंग । 'चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस' के दुर्घटनाग्रस्त हुए 'बोइंग 737-800' विमान का दूसरा 'ब्लैक बॉक्स' मिल गया है। चीन के सरकारी मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी। यह विमान पिछले सप्ताह दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और इस हादसे में विमान में सवार 132 लोगों की मौत हो गई थी। सरकारी प्रसारणकर्ता 'सीसीटीवी' ने बताया कि तलाश अभियान में जुटे दमकलकर्मियों को एक पर्वत की ढलान पर जमीन के करीब डेढ मीटर भीतर नारंगी सिलेंडर जैसा रिकॉर्डर मिला। विशेषज्ञों ने पुष्टि की कि यह दूसरा ब्लैक बॉक्स है। दुर्घटना के बाद विमान का मलबा दूर तक बिखर गया था और इससे पर्वत के एक ओर 20 मीटर गहरा गड्ढा बन गया था। इस विमान का 'कॉकपिट वाइस रिकॉर्डर' चार दिन पहले मिल गया था। इसके बाद से 'फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर' की तलाश की जा रही थी। इन दो रिकॉर्डर की मदद से जांचकर्ता यह पता लगा सकते हैं कि विमान 29,000 फुट की ऊंचाई से दक्षिणी चीन के जंगली पर्वतीय इलाके में अचानक नीचे क्यों गिर गया। दुर्गम स्थल और बारिश एवं कीचड़ के कारण ब्लैक बॉक्स एवं विमान के मलबे की तलाश का काम जटिल हो गया है। 'सीसीटीवी' की अंतरराष्ट्रीय शाखा 'सीजीटीएन' ने एक वीडियो में एक अधिकारी को स्थल पर नारंगी डिब्बे जैसी वस्तु पकड़े दिखाया। इस वस्तु पर ''रिकॉर्डर'' और ''इसे नहीं खोलें'' लिखा दिख रहा है। चाइना ईस्टर्न एयरलाइन्स की उड़ान संख्या एमयू5735 सोमवार को कुनमिंग से दक्षिणपूर्वी चीन के ग्वांगझू आते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। अधिकारियों ने बताया कि एक हवाई यातायात नियंत्रक ने विमान की ऊंचाई के तेजी से कम होता दिखने के बाद विमान चालकों से संपर्क करने की कई बार कोशिश की, लेकिन उसे कोई जवाब नहीं मिला। चार दिन पहले बुधवार को मिला 'कॉकपिट वाइस रिकॉर्डर' भी नारंगी रंग का एक सिलेंडर था। उसे जांच एवं विश्लेषण के लिए बीजिंग भेज दिया गया है। सैकड़ों बचावकर्मी वुझु शहर के बाहर घटनास्थल पर तलाश अभियान में भाग ले रहे हैं। चीनी प्राधिकारियों ने शनिवार को आधिकारिक पुष्टि की थी कि चीनी प्राधिकारियों ने शनिवार को आधिकारिक पुष्टि की थी कि चाइना ईस्टर्न 737-800 विमान दुर्घटना में कोई जीवित नहीं बचा है।

राजनीतिक संकट के बीच 50 पाकिस्तानी मंत्री गायब, अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे इमरान

इंटरनेशनल डेस्क। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के बीच सत्तारूढ़ पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के कम से कम 50 मंत्रियों के लापता होने की रिपोर्टें हैं। ट्रिब्यून ने सूत्रों के हवाले से खबर दी है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने सूत्रों के हवाले से कह कि लापता मंत्रियों में से 25 संघीय और प्रांतीय सलाहकार और विशेष सहायक हैं। इसके अलावा चार राज्य मंत्री, चार सलाहकार और 19 विशेष सहायक भी उनमें शामिल है। हालांकि, संघीय स्तर पर, प्रधानमंत्री को जोरदार समर्थन प्राप्त है।विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी, सूचना मंत्री फवाद चौधरी, ऊर्जा मंत्री विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी, सूचना मंत्री फवाद चौधरी, ऊर्जा मंत्री हम्माद अजहर, रक्षा मंत्री परवेज खट्टक और गृह मंत्री शेख रशीद पीएम खान के सबसे मुखर समर्थकों में से हैं। इस बीच कुरैशी और खट्टक ने शनिवार को पंजाब प्रांतीय विधानसभा अध्यक्ष चौधरी परवेज इलाही और उनके पुत्र जल संसाधन मंत्री मूनिस इलाही के साथ बैठक के लिए चौधरी हाउस का दौरा किया।

नेपाल के शीर्ष नेतृत्व से मिले चीनी विदेश मंत्री वांग, दोनों पक्षों के बीच हुए 9 करार

इंटरनेशनल डेस्क।

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने नेपाल के शीर्ष नेतृत्व के साथ शनिवार को द्विपक्षीय संबंधों तथा पारस्परिक सहयोग पर चर्चा की। दोनों देशों ने नौ समझौतों ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये जिसमें सीमा पार रेलवे के चीन सहायता प्राप्त व्यवहार्यता अध्ययन के लिए तकनीकी सहायता योजना शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि वांग ने यहां प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास पर प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा से मुलाकात की और दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों और आपसी सहयोग पर चर्चा की। नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष देउबा के पिछले साल जुलाई में रिकॉर्ड पांचवीं बार प्रधानमंत्री बनने के बाद से किसी उच्च पदस्थ चीनी अधिकारी की नेपाल की यह पहली यात्रा है। प्रधानमंत्री से मिलने से पहले, वांग ने अपने नेपाली समकक्ष नारायण खड़का के साथ बातचीत की और इसके बाद प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। खड़का ने नेपाल की ओर से 25 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया, जबकि वांग ने 17 सदस्यीय चीनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। अधिकारियों ने यहां कहा कि बैठक के दौरान, खड़का और वांग ने द्विपक्षीय संबंधों के अलावा क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के मुद्दों पर चर्चा की वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने विभिन्न परियोजनाओं से संबंधित नौ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। अधिकारियों ने कहा, ''चीन द्वारा नेपाल को प्रदान किए गए चिकित्सा उपकरणों और कोविड-19 टीकों के लिए आभार व्यक्त करते हुए, खड़का ने अपनी एक-चीन नीति के लिए नेपाल की दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराया। 'काठमांडू पोस्ट की खबर के अनुसार इन समझौतों में से एक आर्थिक और तकनीकी सहयोग पर है। आर्थिक और तकनीकी सहयोग के तहत, चीन नेपाल को अपनी वार्षिक सहायता 13 अरब रुपये से बढ़ाकर 15 अरब रुपये करेगा और कुछ परियोजनाओं को वित्तपोषित करेगा जिन पर दोनों पक्षों के बीच सहमति होगी। वांग नेपाल की अपनी तीन दिवसीय यात्रा को समाप्त करने से पहले रविवार को राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी से भी मुलाकात करेंगे। नई दिल्ली से यहां पहुंचे वांग ने पाकिस्तान से अपनी यात्रा शुरू की, उसके बाद अफगानिस्तान और भारत की अघोषित यात्रा की।

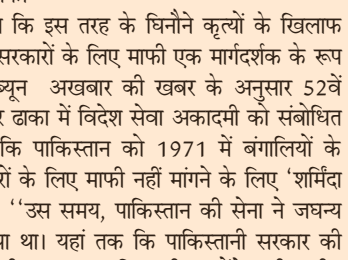

जयशंकर ने मालदीव के राष्ट्रपति सोलिह से की मुलाकात, दोनों देशों के बीच विशेष साझेदारी पर की चर्चा

माले।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह से अड्डू शहर में रविवार को मुलाकात की और दोनों देशों के बीच विशेष साझेदारी पर चर्चा की। जयशंकर शनिवार को यहां पहुंचे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से राष्ट्रपति सोलिह को शुभकामनाएं दीं। जयशंकर ने ट्वीट किया, ''मालदीव के राष्ट्रपति सोलिह द्वारा स्वागत किया जाना सम्मान की बात है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से उन्हें व्यक्तिगत शुभकामनाएं दीं। दोनों देशों के बीच विशेष साझेदारी पर चर्चा की, जिसने उनके कार्यकाल में कई ठोस परिणाम दिए। जयशंकर ने कहा कि उन्हें राष्ट्रपति सोलिह के साथ 'नेशनल कॉलेज ऑफ पुलिस एंड लॉ एनफोर्समेंट (एनसीपीएलई) के उद्घाटन समारोह में शामिल होने का सौभाग्य मिला। उन्होंने कहा कि एनसीपीएलई कानून प्रवर्तन के लिए भारत के मजबूत समर्थन को रेखांकित करता है। जयशंकर ने मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में शनिवार को कहा, ''एनसीपीएलई मालदीव पुलिस सेवा के अधिकारियों को प्रशिक्षण देने और अपराध से लड़ने की उनकी क्षमताओं को बढ़ाने में मदद करेगा। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा, ''इसी प्रकार अड्डू सड़क परियोजना का भूमि पूजन हमारी विकास साझेदारी पर जोर देता है। साथ ही अड्डू में सुधार और तट संरक्षण के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। तटीय रडार प्रणाली सौंपने से मालदीव की सुरक्षा मजबूत होगी। मंत्री ने ट्वीट किया, '' 'ड्रग डिटॉक्सीफिकेशन एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर का उद्घाटन हमारे लोगों के बीच आपसी संपर्क को दर्शाता है। नया पारिस्थितिकी-पर्यटन क्षेत्र हमारी साझा पर्यावरणीय प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। भारत एवं मालदीव के बीच विकास संबंधी सहयोग के लिए अच्छा दिन रहा। जसशंकर ने अड्डू एटोल मेमोरियल पर माल्यार्पण भी किया। उन्होंने ट्वीट किया, ''इतिहास के पन्नों में दर्ज गान की यात्रा की। मैंने अड्डू एटोल मेमोरियल में भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। जयशंकर ने भारत और मालदीव के बीच ''समय की कसौटी पर परखे रिश्ते को क्षेत्र में ''स्थिरता के लिए ताकत बताते हुए शनिवार को कहा था कि दोनों देशों की साझा जिम्मेदारी इसे पोषित और मजबूत करने की है। जयशंकर ने मालदीव के विदेश मंत्री के साथ द्विपक्षीय साझेदारी के व्यापक विषयों पर चर्चा की और दोनों नेताओं ने विभिन्न क्षेत्रों में जारी परियोजनाओं एवं पहलों का जायजा लिया। दोनों मंत्रियों ने क्षेत्रीय सुरक्षा एवं समुद्री सुरक्षा मामलों पर भी चर्चा की।

बांग्लादेश के विदेश मंत्री बोले- 1971 के युद्ध दौरान अत्याचार के लिए माफी मांगे पाकिस्तान

ढाका। बांग्लादेश के विदेश मंत्री ए. के. अब्दुल मोमेन ने शनिवार को यहां कहा कि पाकिस्तान को 1971 के युद्ध के दौरान अत्यधिक अत्याचार करने के लिए बांग्लादेश के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह के घिनौने कृत्यों के खिलाफ इस्लामाबाद में भविष्य की सरकारों के लिए माफी एक मार्गदर्शक के रूप में काम करेगी। 'ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार 52वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ढाका में विदेश सेवा अकादमी को संबोधित करते हुए मोमेन ने कहा कि पाकिस्तान को 1971 में बंगालियों के खिलाफ किए गए अत्याचारों के लिए माफी नहीं मांगने के लिए 'शर्मिंदा होना चाहिए। मंत्री ने कहा, ''उस समय, पाकिस्तान की सेना ने जघन्य अपराध और नरसंहार किया था। यहां तक कि पाकिस्तानी सरकार की रिपोर्ट भी कहती है कि उनकी यातना अत्यधिक थी। उन्होंने सभी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों का उल्लंघन किया था। मोमेन ने कहा कि इस्लामाबाद में सरकार भविष्य के वर्षों में फिर से वही गलतियां कर सकती है, अगर वह 1971 में की गई गलतियों को नहीं सुधारती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि पाकिस्तान की अगली पीढ़ी आगे आएगी और अपने पूर्वजों के अपराधों के लिए माफी मांगेगी।

पहली बार इंसान के खून में मिले प्लास्टिक के टुकड़े ! टेंशन में पड़ गए शोधकर्ता

लंदन।

शोधकर्ताओं के सामने इंसानी खून को लेकर चौंकाने वाला मामला सामने आया है। शोधकर्ताओं को पहली बार इंसानी खून में प्लास्टिक के टुकड़े मिले हैं जो अति सूक्ष्म यानि माइक्रोप्लास्टिक हैं। इस शोध के लिए नीदरलैंड के वैज्ञानिकों ने 22 गुमनाम स्वस्थ वयस्क डोनर्स से रक्त के नमूने लिए और पाया कि इनमें से 17 (77.2 प्रतिशत) के रक्त में माइक्रोप्लास्टिक था। इस खोज को बेहद चिंताजनक बताया जा रहा है। इससे पहले माइक्रोप्लास्टिक्स मस्तिष्क, आंत, अजन्मे बच्चों के प्लेसेंटा और वयस्कों और शिशुओं के मल में पाए गए हैं, लेकिन रक्त के नमूनों से पहले कभी नहीं पाया गया। नीदरलैंड में व्रीजे यूनिवर्सिटिट एम्स्टर्डम में अध्ययन लेखक प्रोफेसर डिक वेथाक ने बताया कि हमें अनुसंधान का विस्तार करना होगा और नमूना आकार, मूल्यांकन किए गए पॉलिमर की संख्या आदि में वृद्धि करनी होगी। जर्नल एनवायरनमेंट इंटरनेशनल में प्रकाशित इस अध्ययन में पांच प्रकार के प्लास्टिक - पॉलीमेथाइल मेथैक्रिलेट (पीएमएमए), पॉलीप्रोपाइलीन (पीपी), पॉलीस्टाइनिन (पीएस), पॉलीइथाइलीन (पीई), और पॉलीइथाइलीन टेरेफ्थेलेट (पीईटी) के लिए परीक्षण किया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि रक्त के 50 प्रतिशत नमूनों में पॉलीइथाइलीन टेरेफ्थेलेट (पीईटी) था। नमूनों में यह सबसे प्रचलित प्लास्टिक प्रकार था। एक स्पष्ट, मजबूत और हल्का प्लास्टिक है जो व्यापक रूप से खाद्य पदार्थों और पेय पदार्थों की पैकेजिंग के लिए उपयोग किया जाता है, विशेष रूप से सुविधाजनक आकार के शीतल पेय, जूस और पानी. केवल एक तिहाई (36 प्रतिशत) में पॉलीस्टाइनिन होता है, जिसका उपयोग पैकेजिंग और भंडारण में किया जाता है, जबकि लगभग एक चौथाई (23 प्रतिशत) में पॉलीइथाइलीन होता है, जिससे प्लास्टिक वाहक बैग बनाए जाते हैं। केवल एक व्यक्ति (5 प्रतिशत) में पॉलीमेथाइल मेथैक्रिलेट था और किसी भी रक्त के नमूने में पॉलीप्रोपाइलीन नहीं था। चौंकाने वाली बात यह है कि शोधकर्ताओं ने एक ही रक्त के नमूने में तीन अलग-अलग प्रकार के प्लास्टिक पाए। रक्त के नमूने लिए जाने से ठीक पहले प्लास्टिक के संपर्क में आने के कारण उनके रक्त में माइक्रोप्लास्टिक्स वाले और नहीं होने के बीच अंतर हो सकता है। उदाहरण के लिए, एक स्वयंसेवक जिसने अपने रक्त में माइक्रोप्लास्टिक्स के लिए सकारात्मक परीक्षण किया, हो सकता है कि उसने हाल ही में प्लास्टिक-लाइन वाले कॉफी कप से पिया हो। प्लास्टिक पौधों पर आधारित आहार के जरिए, पानी, सी फूड के जरिए शरीर में प्रवेश करता है। माइक्रोप्लास्टिक्स विभिन्न माध्यमों से जलमार्ग में प्रवेश करते हैं और तरल में निलंबित खत्म हो जाते हैं। प्लास्टिकपानी से, उन्हें समुद्री भोजन द्वारा निगला जा सकता है या पौधों द्वारा अवशोषित करके हमारे भोजन में समाप्त किया जा सकता है। माइक्रोप्लास्टिक्स के अंतर्ग्रहण के स्वास्थ्य प्रभाव वर्तमान में स्पष्ट नहीं हैं, हालांकि पिछले साल एक अध्ययन ने दावा किया था कि वे मनुष्यों में कोशिका मृत्यु और एलर्जी का कारण बन सकते हैं। माइक्रोप्लास्टिक प्लास्टिक के छोटे टुकड़े होते हैं जिनका व्यास 0.2 इंच (5 मिमी) से कम होता है - कुछ इतने छोटे होते हैं कि वे नग्न आंखों से भी दिखाई नहीं देते हैं। वैज्ञानिक अभी भी इन छोटे कणों के अंतर्ग्रहण के प्रभाव को निर्धारित करने की कोशिश कर रहे हैं। कॉमन सीज़ द्वारा यह अध्ययन किया गया है। यह एक समूह है जो प्लास्टिक संदूषण से निपटने के लिए नई नीति के लिए प्रेरित करता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कश्मीर में शांति के लिए मुफ्ती ने रागा पाकिस्तान का राग, राउत बोले- महबूबा जो बोल रही उसके पीछे भगवा दल जिम्मेदार

नेशनल डेस्क।

शिवसेना सांसद संजय राउत ने महबूबा मुफ्ती के उस बयान के एक दिन बाद भाजपा पर निशाना साधा जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा था कि कश्मीर में तब तक शांति नहीं बहाल होगी जब तक कि केंद्र सरकार पाकिस्तान और जम्मू-कश्मीर के लोगों से बात नहीं करती। राउत ने कहा कि पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख इस तरह की टिप्पणी कर सकती हैं, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उनकी पार्टी के साथ पूववर्ती जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाकर उनके जैसे लोगों को मजबूत करने का काम किया। राउत ने पत्रकारों से कहा कि मुफ्ती के नेतृत्व वाली पीडीपी किसी समय भाजपा की 'मित्र थी। उन्होंने दावा किया कि पीडीपी शुरू से ही पाकिस्तान समर्थक रही है और आतंकवादियों के प्रति सहानुभूति रखती है। पीडीपी और भाजपा वर्ष 2015 में जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने के लिए एक साथ आए थे, लेकिन यह गठबंधन जून 2018 में टूट गया। मुफ्ती ने शनिवार को केंद्र की भाजपा नीत सरकार से पाकिस्तान और जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ बातचीत का अपना राग दोहराया। राउत ने कहा कि मुफ्ती ने संसद हमले के दोषी अफजल गुरु का समर्थन किया था, फिर भी भाजपा ने जम्मू-कश्मीर में उनकी पार्टी के साथ गठबंधन कर सरकार बनाई थी। राउत ने आरोप लगाते हुए कहा, ''अब वही महबूबा मुफ्ती कश्मीर मुद्दे को सुलझाने के लिए पाकिस्तान से बातचीत चाहती हैं। यह भाजपा का पाप है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने ऐसे लोगों के साथ सत्ता साझा कर उन्हें ताकत दी है, इसलिए महबूबा मुफ्ती जो कह रही हैं उसके लिए भाजपा जिम्मेदार है। राज्यसभा सदस्य ने आगे कहा कि इस मुद्दे पर भाजपा का जो भी विचार हो, लेकिन शिवसेना पीडीपी की विचारधारा का हमेशा विरोध करती रही है और करती रहेगी। महाराष्ट्र भाजपा प्रमुख चंद्रकांत पाटिल की हालिया टिप्पणी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केवल दो घंटे सोते हैं और हर रोज 22 घंटे काम करते हैं, इस पर राउत ने दावा किया कि यह ''चापलूसी की पराकाष्ठा है।

मुंबई पुलिस ने 'संडे स्ट्रीट' पहल शुरू की, लोग मौज-मस्ती के लिए घरों से बाहर निकले

नेशनल डेस्क।

मुंबई पुलिस ने नागरिकों को स्वास्थ्यवर्धक और मनोरंजक गतिविधियों के लिए अपने घरों से बाहर निकलने के लिए प्रोत्साहित करने के मकसद ने 'संडे स्ट्रीट' पहल शुरू की है। एक अधिकारी ने बताया कि इस पहल के तहत हर सप्ताहांत में कुछ घंटों के लिए कुछ सड़कों को वाहनों के आवागमन के लिए बंद रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि लोग रविवार को अपने बच्चों एवं प्रियजन के साथ बाहर निकलकर सड़कों पर योग कर सकते हैं, साइकिल चला सकते हैं, स्केटिंग कर सकते हैं और स्वास्थ्य के लिए।

लाभप्रद अन्य गतिविधियां कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस पहल के तहत इस सप्ताह के अंत में नरीमन पॉइंट पर दोराभाई टाटा रोड, बांद्रा में कार्टर रोड, गोरेगांव में माइंड स्पेस रोड, डी एन नगर में लोखंडवाला रोड, अंधेरी, मुलुंड में तानसा पाइपलाइन रोड और विक्रोली क्षेत्र में ईस्टर्न एक्सप्रेसवे को सुबह छह बजे से पूर्वाह्न 10 बजे तक वाहनों की आवाजाही के लिए बंद रखा जाएगा।

अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने इस दौरान वैकल्पिक मार्गों पर यातायात के आवागमन की व्यवस्था की है। कई लोगों को सुबह सड़कों पर व्यायाम करते, दौड़ते और अन्य मनोरंजक गतिविधियां करते देखा गया। अधिकारी ने बताया कि प्राधिकारियों ने नागरिकों के लिए एंबुलेंस और सचल शौचालयों की व्यवस्था की है। नागरिकों से इस दौरान कोविड-19 संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है।

पश्चिम बंगाल: रामपुरहाट में मिले 40 देसी बम, पुलिस ने शुरू की मामले की जांच

नेशनल डेस्क। पश्चिम बंगाल के बीरभूमि जिले के रामपुरहाट के मारग्राम में 40 देसी बम बरामद हुए हैं। बीरभूम के एसपी नागेंद्र नाथ त्रिपाठी ने बताया कि रामपुरहाट के मारग्राम में 40 देसी बम बरामद हुए। कच्चे बमों को एक निर्माणाधीन घर के पिछले हिस्से में रखा गया था। मामले में जांच शुरू कर दी गई है। बता दें कि हाल ही में रामपुरहाट के बोगतुई गांव में 8 लोगों को जिंदा जला दिया गया था। उधर, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) का एक दल शनिवार को पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के बोगतुई गांव पहुंचा और उस हिंसक घटना की जांच शुरू की जिसमें आठ लोगों की जान चली गई थी। अज्ञात लोगों ने 21 मार्च को गांव में 10 घरों में आग लगा दी थी जिसमें महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई थी। लगभग 20 सदस्यों वाली सीबीआई की टीम उस घर के भीतर गई जहां जलकर खाक हुए सात लोगों के शव बरामद हुए थे। सीबीआई अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, हम आज जांच शुरू कर रहे हैं। हमें युद्धस्तर पर जांच करनी है क्योंकि हमें तय समय में काम पूरा करना है। युद्धस्तर पर जांच करनी है क्योंकि हमें तय समय में काम पूरा करना है। सीबीआई की इकाई केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला के अधिकारियों ने भी जले हुए घरों का दौरा किया और नमूने एकत्र करने शुरू किये। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बीरभूम हत्याकांड की जांच का जिम्मा शुक्रवार को सीबीआई को सौंपते हुए सात अप्रैल तक रिपोर्ट सौंपने को कहा था।

जम्मू पुंछ राष्ट्रीय राजमार्ग पर ट्रैक्टर की टक्कर से महिला की मौत

पुंछ। शुक्रवार सुबह ज़िले की सुरन्कोट तहसील पर जम्मू पुंछ राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित गान्व धुन्दक में ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर में एक महिला की कुचल्कर दद्र्नाक मौत हो गई । प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह गान्व लठुन्ग निवास लगभग 60 वर्षीय जून बेगम पत्नी कमालदीन सड़क किनारे से कहीं जा रही थी इसी बीच तेज़ रफ़्तार ट्रैक्टर ट्राली ने महिला को रौंद दिया। महिला बुरी तरह कुचल्कर मौके पर ही मारी गई, जबकि ट्रैक्टर मौके से फरार हो गया। घटना के बाद आस पास के लोग मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी सुरन्कोट थाने में दी । थानाप्रभारी सुरन्कोट नियाज़ अहमद दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और मृतक के शव को कब्ज़े में लेकर उपजिला अस्पताल पहुंचाया जहां पर औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शव को अंतिम क्रियाओं हेतु परिजनो के हवाले कर दिया गया ।वहीं पुलिस द्वारा इस संदर्भ में मामला दर्ज कर आगे की कारवाई शुरू कर दी गई।

मंदिर में पूजा करने पहुंचे अनुपम खेर, बोले- कभी यहां से चोरी हुई थी मेरी गाड़ी

नेशनल डेस्क।

फिल्म द कश्मीर फाइल्स के अभिनेता अनुपम खेर ने आज एक वीडियो अपलोड किया है जिसमें वे मुंबई के तारदेव रोड पर एक मंदिर पर गए हैं। उन्होंने सुबह-सुबह ही इस मंदिर का दर्शन किया और अपने दर्शन का पूरा वीडियो बनाया है। वीडियो में अनुपम खेर ने पूजा-दर्शन के दौरान इस मंदिर को लेकर कई खुलासे किए हैं। उन्होंने इस मंदिर को अपने दिल के करीब बताया है। अनुपम खेर ने यह भी बताया कि यह वही मंदिर है जहां से उनकी गाड़ी चोरी हुई थी ।

स्ट्रगल के दिनों में आता था इस मंदिर

अनुपम खेर ने इस मंदिर का दर्शन करते हुए इससे जुड़ी कुछ यादों को उन्होंने शेयर किया। उन्हें वीडियो में यह कहते सुना गया कि वह अपने स्ट्रगल के दिनों में इस मंदिर में आते थे और पूजा किया करते थे। उन्होंने यह भी कहा कि वे इस मंदिर में जब आते थे तो वे यह प्रार्थना करते थे और कहते थे कि हे भगवान! मेरा कुछ कर दे। अनुपम श्रद्धालुओं की लाइन में पीछे खड़े दिखाई दिए। इसके बाद उन्होंने मंदिर में फूल माला चढ़ाकर पूजा की। बता दें कि खेर की लास्ट फिल्म द कश्मीर फाइल्स थी जो अभी तक अच्छी कमाई की है और इस फिल्म को लेकर काफी चर्चा भी हो रही है।

केंद्र ने 6 दिन में 5वीं बार बढ़ाए ईंधन के दाम, कांग्रेस बोली- लोगों को लूटने का काम कर रही मोदी सरकार

नेशनल डेस्क।

कांग्रेस ने पेट्रोल और डीजल की कीमत बढ़ाए जाने पर तीखी प्रतिक्क्रिया देते हुए रविवार को कहा कि सरकार ने पिछले छह दिन में पांचवी बार ईंधन के दाम बढ़ाए हैं और वह लगातार लोगों को लूटने का काम कर रही है। कांग्रेस प्रवक्ता संजय निरुपम और पवन खेड़ा ने रविवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मोदी सरकार ने 157 दिन तक तेल के दाम इसलिए नहीं बढ़ाए क्योंकि विधानसभा चुनाव चल रहे थे और तब इसका नकारात्मक परिणाम मिल सकता था लेकिन अब वह लगातार तेल के दाम बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि तेल पर कर से सरकार ने 26 लाख करोड़ रुपये कमाए हैं और उउसे देश की जनता को इस कमाई का हिसाब देना चाहिए। से देश की जनता को इस कमाई का हिसाब देना चाहिए।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि आज पेट्रोल के दाम 50 पैसे बढ़ाए गए हैं और मोदी भक्त इस बात से खुश है कि ईंधन के दाम 80 पैसे की बजाय 50 पैसे बढ़ाए गए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस वृद्धि का लगातार विरोध करती रहेगी।

भोले बाबा के भक्तों के लिए खुशखबरी-30 जून से शुरू होगी अमरनाथ यात्रा, हर रोज 20 हजार श्रद्धालु कर सकेंगे दर्शन

नेशनल डेस्क।

भोले बाबा बर्फानी के भक्तों के लिए खुशखबरी है। 2019 के तीन साल बाद अमरनाथ की यात्रा 30 जून से शुरू होने जा रही है। अमरनाथ यात्रा 30 जून से शुरू होकर 11 अगस्त तक चलेगी। इसके साथ ही रोजाना यात्रा का कोटा बढ़ाकर 15 से 20 हजार कर दिया गया है। इसके अलावा हेलीकॉप्टर से जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या अलग से होगी। माना जा रहा कि 42 दिन की इस यात्रा में श्रद्धालुओं की सारे पुराने रिकॉर्ड टूट सकते हैं। श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड की बैठक रविवार को केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में श्री अमरनाथ की यात्रा को लेकर फैसला लिया गया। बता दें कि साल 2019 में आर्टिकल 370 हटने के कारण अमरनाथ यात्रा को मध्य में ही रोक दिया गया था। वहीं साल 2022-21 में कोरोना के कारण यात्रा नहीं हो पाई थी। अब जब कोरोना की रफ्तार थमने लगी है और सभी कोरोना पाबंदियां हटा ली गई हैं तो इस साल 2022 में अमरनाथ यात्रा फिर से शुरू होने जा रही है। इसी बीच आज हुई बैठक में यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था को कायम रखने के लिए चर्चा की गई। साथ ही केंद्र सरकार से यात्रा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था को यकीनी बनाने के लिए अपील की गई है।

देशभर में खुलेंगे 21 नए सैनिक स्कूल, मई से होगी नए सत्र की शुरुआत...रक्षा मंत्रालय ने दी मंजूरी

नेशनल डेस्क।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने गैर सरकारी संगठनों, निजी विद्यालयों और राज्य सरकारों के साथ साझेदारी में 21 नए सैनिक स्कूल की स्थापना को मंजूरी दे दी है। नए स्कूल ''साझेदारी मोड में देशभर में 100 नए सैनिक स्कूल को शुरू करने की सरकार की घोषणा के अनुरूप स्थापित किए जाएंगे। मंत्रालय ने कहा, ''रक्षा मंत्रालय ने गैर सरकारी संगठनों, निजी विद्यालयों, राज्य सरकारों के साथ साझेदारी में 21 नए सैनिक स्कूल की स्थापना को मंजूरी दी है। ये स्कूल पंजाब, हरियाणा, हिमाचल, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड सहित 21 राज्यों में खोले जाएंगे जहां गैर सरकारी संगठनों, निजी स्कूलों एवं राज्य सरकारों से सांझेदारी के तहत स्कूलों की स्थापना की जाएगी। एक बयान में कहा गया, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 100 नए सैनिक स्कूल की स्थापना के दृष्टिकोण का उद्देश्य छात्रों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और उन्हें सशस्त्र बलों में शामिल होने सहित करियर के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। बयान में कहा गया कि इनमें से 17 स्कूल ब्राउनफील्ड संचालित स्कूल हैं और 4 ग्रीनफील्ड स्कूल हैं जो शीघ्र ही कामकाज शुरू करने वाले हैं। मंत्रालय ने कहा कि जहां गैर सरकारी संगठनों, ट्रस्ट, सोसाइटी के पास 12 अनुमोदित नए स्कूल की हिस्सेदारी है, 6 निजी स्कूल और 3 राज्य सरकार के स्वामित्व वाले स्कूल ने ऐसे अनुमोदित नए सैनिक स्कूलों की सूची में जगह पाई हैं। बयान में कहा गया, ''मौजूदा सैनिक स्कूल के विपरीत, जो विशुद्ध रूप से आवासीय प्रकृति के हैं, 7 नए सैनिक स्कूल डे स्कूल हैं और ऐसे 14 नए अनुमोदित स्कूल में आवासीय व्यवस्था है। मंत्रालय ने कहा कि ये नए सैनिक स्कूल, संबंधित शिक्षा बोर्डों से संबद्धता के अतिरिक्त, सैनिक स्कूल सोसायटी के तत्वावधान में कार्य करेंगे और सोसायटी द्वारा निर्धारित साझेदारी मोड में नए सैनिक स्कूल के लिए नियमों और विनियमों का पालन करेंगे। इन स्कूल में नए सैनिक स्कूल पैटर्न में प्रवेश कक्षा छह से होगा। मंत्रालय ने कहा कि छठी कक्षा में कम से कम 40 प्रतिशत प्रवेश उन उम्मीदवारों का होगा जिन्होंने ई-काउंसलिंग के माध्यम से अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की है। मंजूर नए सैनिक स्कूल के लिए शैक्षणिक सत्र मई 2022 के पहले सप्ताह में आरंभ होने की संभावना है। मंत्रालय ने कहा कि छठी कक्षा में कम से कम 40 प्रतिशत प्रवेश उन उम्मीदवारों का होगा जिन्होंने ई-काउंसलिंग के माध्यम से अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की है। मंजूर नए सैनिक स्कूल के लिए शैक्षणिक सत्र मई 2022 के पहले सप्ताह में आरंभ होने की संभावना है।

कोरोना के कारण उड़ानें कम, फिर भी पक्षियों के विमान से टकराने की घटनाएं 2021 में काफी बढ़ीं

नेशनल डेस्क । देश में पिछले साल कोरोना वायरस के चलते उड़नों की संख्या सीमित होने के बावजूद भारतीय हवाई अड्डों पर पक्षियों के विमानों से टकराने की घटनाओं में वृद्धि हुई। पशु पक्षियों के टकराने को विमान परिचालन के क्षेत्र में गंभीर खतरों में माना जाता है। अगस्त 2019 में समुद्री चिड़ियों का एक झुंड यूरल एयरएलाइंस के मॉस्को-सिमफेरोपोल विमान से टकरा गया था जिसके बाद विमान की खेतों में आपात लैंडिंग कराई गई थी, इस घटना में 74यात्री घायल हो गए थे। विमानन नियामक नागर विमानन महानिदेशालय के आंकड़ों के मुताबिक 2020 की तुलना में साल 2021 में देशभर के हवाई अड्डों पर पक्षियों के टकराने की 1,466 घटनाएं (27.25 प्रतिशत वृद्धि) और पशुओं के टकराने की 29 घटनाएं (93.33 प्रतिशत वृद्धि)हुईं। जब 2021 के आंकडों की तुलना 2019 के आंकडों से की गई तो देशभर के हवाई अड्डों में पक्षियों, पशुओं के टकराने की घटनाओं में 19.47 और 123 प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी। सरकारी अधिकारियों के मुताबिक इन घटनाओं के पीछे यह कारण हो सकता है कि संक्रमण के कारण उड़ानों की संख्या सीमित होने के चलते हवाई अड्डों पर शांति रही और इससे पक्षी इस स्थान की ओर आकर्षित हुए। गौरतलब है कि 2018 में ष्ष्टह्र ने एक आदेश में कहा था कि हवाई अड्डे के आस पास के क्षेत्रों में वन्यजीवों की मौजूदगी विमान परिचालन सुरक्षा को ''गंभीर पेश करती है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) से 2021 के दौरान ऐसी घटनाओं में वृद्धि के कारणों के बारे में ' द्वारा पूछे जाने पर उसने कहा, ''इन घटनाओं के मुख्य कारण हवाई अड्डे के आसपास शहरीकरण होना, अनुचित अपशिष्ट प्रबंधन, बूचड़खाने पास में होना, आसपास के क्षेत्रों में खुली नालियां होना आदि हैं ।

संक्षिप्त समाचार

गुजरात: चुनाव से पहले कांग्रेस ने सोशल मीडिया टीम में किया बड़ा फेरबदल

नेशनल डेस्क । कांग्रेस की गुजरात इकाई ने इस वर्ष के अंत में होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव को देखते हुए अपनी सोशल मीडिया टीम को पुनर्गठित किया है और पार्टी के कामों के बारे में मतदाताओं तक जानकारी पहुंचाने तथा फर्जी खबरों से निपटने के लिए लगभग 200 कार्यकर्ताओं को इसमें शामिल किया है। पार्टी के एक प्रवक्ता ने रविवार को यह जानकारी दी। कांग्रेस की गुजरात इकाई के मुख्य प्रवक्ता मनीष दोशी ने बताया कि नयी भर्तियों में जिला और मेट्रो स्तर पर 41 अध्यक्ष, 15 उपाध्यक्ष, 30 महासचिव, 44 सचिव और 60 कार्यकारी समिति के सदस्य शामिल हैं। उन्होंने कहा,'' पार्टी ने चुनाव से पहले सोशल मीडिया पर अपनी उपस्थिति का प्रबंधन करने के लिए नयी टीम बनाने की घोषणा की। पदाधिकारियों की जिम्मेदारियां तय की जा रही हैं, और पार्टी आने वाले दिनों में सोशल मीडिया पर एक बड़ा कार्यक्रम करने की योजना बना रही है। दोशी ने कहा कि इस टीम में समर्पित पार्टी कार्यकर्ताओं को शामिल किया गया है ''अन्य राजनीतिक दलों की तरह भुगतान करके लोग नहीं लाए गए हैं। उन्होंने कहा,'' वे प्रेरित करेंगे और हमारे अन्य कार्यकर्ताओं के साथ नेटवर्क स्थापित करेंगे,जो पहले ही सोशल मीडिया पर मौजूद हैं, ताकि पार्टी से जुड़ी फर्जी खबरों और गलत जानकारियों से निपटते हुए आगामी चुनाव में प्रभावी भूमिका निभा सकें।

आंध्र प्रदेश: चित्तूर में 100 फीट गहरी खाई में गिरी 52 यात्रियों से भरी बस, 7 की मौत व 45 घायल

नेशनल डेस्क। आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के भाकरपेट में शनिवार रात करीब 11.30 बजे एक बस चट्टान से गिरकर खड्ड में गिर गई। इस भीषण हादसे में सात लोगों की मौत हो गई और 45 घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भाकरपेट मंदिर शहर तिरुपति से केवल 25 किलोमीटर दूर स्थित है। तिरुपति के पुलिस अधीक्षक ने कहा कि दुर्घटना उस समय हुई जब बस चालक की लापरवाही के कारण चट्टान से गिर गई। घायलों को नजदीकी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। निजी बस अनंतपुर जिले के धर्मावरम से चित्तूर के नगरी के पास एक गांव में 52 लोगों की शादी की बारात ले जा रही थी। बस घाट रोड से होते हुए रास्ते में आदुपुताप्पी घाटी में जा गिरी। पुलिस, बचाव दल और दमकल विभाग के कर्मियों ने बचाव अभियान शुरू किया। हालांकि, अंधेरे से ऑपरेशन में बाधा आई क्योंकि घाटी 50 फीट गहरी है। ऑपरेशन सुबह भी जारी है। बचे लोगों को रस्सियों की मदद से बचाया गया और उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया।

बच्चों के दिमाग में 'देश-विरोधी बीज बोते हैं मदरसे, बोम्मई के राजनीतिक सलाहकार ने की प्रतिबंध लगाने की मांग

नेशनल डेस्क। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के राजनीतिक सलाहकार एम पी रेणुकाचार्य ने शनिवार को मदरसों पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए कहा कि वे नए बच्चों के दिमाग में 'देश-विरोधी बीज बोते हैं। बोम्मई ने यहां संवाददाताओं से कहा,''मैं मुख्यमंत्री और प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा मंत्री से मदरसों पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह करता हूं। वे युवाओं के दिमाग में देश-विरोधी भावनाएं डालते हैं। रेणुकाचार्य ने कहा, ''मदरसों की कोई जरूरत नहीं है। क्या वे गैर-मुसलमानों को मदरसों में जाने देते हैं? या तो मुस्लिम छात्रों को नियमित स्कूलों पढ़ने दें, या मदरसों में नियमित पाठ्यक्रम पढ़ाना चाहिए। हिजाब विवाद पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने इसे अल्पसंख्यक समुदाय का समर्थन हासिल करने के लिए बनाया था। उन्होंने कहा,''हिजाब विवाद किसने बनाया? अदालत का रुख किसने किया? कांग्रेस के वकीलों ने। पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) और सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (एसडीपी) ने भी इस विवाद को खड़ा किया। कांग्रेस नेता जमीर अहमद खान और यूटी खादिर ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले के विरुद्ध मुस्लिम संस्थाओं द्वारा बुलाये गए कर्नाटक बंद का समर्थन किया। यह मुद्दा भाजपा ने खड़ा नहीं किया है। रेणुकाचार्य ने स्पष्ट किया कि अदालत ने हिजाब पर प्रतिबंध नहीं लगाया है, बल्कि केवल छात्रों को शिक्षण संस्थानों में लागू ड्रेस कोड का पालन करने का निर्देश दिया है।

जम्मू-पठानकोट रिंग रोड के लिए अधिगृहीत जमीन का मार्किट रेट के हिसाब से मिले मुआवजा : मंजीत सिंह

साम्बा । अपनी पार्टी के प्रांतीय अध्यक्ष (जम्मू) और पूर्व मंत्री सरदार मंजीत सिंह ने आज मांग की कि जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग विस्तार के चलते प्रभावित हुए डेरा गंडोत्राँ के निवासियों के लिए निर्धारित मुआवजे की राशि को बाजार दर के अनुसार बढ़ाया जाए। मंजीत सिंह ने जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग के समीप स्थित गांव डेरा गंडोत्राँ में लोगों के साथ बैठक की और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि यह लोग जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग और रिंग रोड को चौड़ा करने के लिए उनकी भूमि के अधिग्रहण से परेशान हैं क्योंकि यह सडकें इन लोगों से उनकी कृषि भूमि छीन लेंगी और कई परिवारों को भूमिहीन कर देंगी। मंजीत ने कहा कि अधिकारी उन किसानों को वैकल्पिक जमीन नहीं दे रहे हैं, जिस भूमि का उपयोग राजमार्ग विस्तार या साम्बा जिले में रिंग रोड परियोजना में किया जा रहा है। यह परिवार को उनकी जायज मांगों के प्रति अधिकारियों द्वारा अपनाए गए रवैये से चिंतित हैं। मंजीत ने लोगों को आश्वासन दिया है कि उनकी मांगों को संबंधित अधिकारियों के समक्ष पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोगों ने किसानों को प्रति कनाल दिए जा रहे मुआवजे को बढ़ाने की मांग की है। डेरा गंडोत्राँ के ग्रामीणों को प्रति कनाल 20 लाख रुपये की पेशकश की जा रही है, जो आसपास के अन्य गांवों की तुलना में बहुत कम राशि है, जिन्हें 30 से 35 लाख रुपये प्रति कनाल दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र एक व्यावसायिक केंद्र है और अधिकारियों को लोगों के भविष्य के साथ समझौता नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विकास जरूरी है लेकिन यह लोगों की पीड़ा अथवा नुक्सान की कीमत पर नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोग अनुमानित विकास से परेशान हैं जो सरकार के लिए अच्छा संकेत नहीं है। उन्होंने कहा कि विकास ऐसा होना चाहिए जो हर वर्ग के लिए टिकाऊ हो, जिससे पारिस्थितिकी को कोई नुकसान न हो और स्थानीय आबादी का भी विस्थापन न हो।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूचना आयोगों की कार्यप्रणाली को लेकर आयोजित हुआ 92 वां राष्ट्रीय आर टी आई वेबिनार

बिहार आर टी आई कार्यकर्ता विपिन अग्रवाल हत्याकांड और उनके पुत्र की आत्महत्या भी रहा चर्चा का विषय

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

क्या सूचना आयोग आमजन को वांछित जानकारी उपलब्ध करवा पा रहे हैं विषय पर 92 वां राष्ट्रीय आरटीआई वेबीनार का आयोजन किया गया। इस परिपेक्ष में देश के कोने कोने से आरटीआई उपयोगकर्ता जुड़े और उपस्थित विशिष्ट अतिथियों – पूर्व और वर्तमान सूचना आयुक्त सहित अन्य एक्सपर्ट से मार्गदर्शन प्राप्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह ने की जबकि विशिष्ट अतिथियों के तौर पर युवा आरटीआई एक्टिविस्ट और पत्रकार सौरभ दास, पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी, पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप जुड़े।

कार्यक्रम में विस्तार से चर्चा करते हुए युवा आरटीआई एक्टिविस्ट और पत्रकार सौरव दास ने कहा की सूचना आयुक्तों की कार्यशैली ने पूरे देश के सूचना तंत्र पर प्रश्नचिन्ह खड़ा कर दिया है। उन्होंने अपने विभिन्न अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि कैसे जब मामला राज्य सूचना आयुक्त अथवा केंद्रीय सूचना आयुक्त तक जाता है तो वहां पर आवेदकों के हित में निर्णय नहीं दिए जाते हैं बल्कि वापस उन्ही लोक सूचना अधिकारियों के ऊपर छोड़ दिया जाता है जिन्होंने पहले ही जानकारी देने से मना कर दिया था। उन्होंने कोविड-19 के दौरान 48 घंटे के भीतर जीवन और स्वतंत्रता से संबंधित जानकारी साझा करने वाले मद्रास हाई कोर्ट के केंद्रीय सूचना आयोग के विरुद्ध मामलों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा की सबसे अधिक सूचनाएं गृह मंत्रालय और प्रधानमंत्री कार्यालय से छुपाई जा रही है। सौरभ दास ने सबसे महत्वपूर्ण बिंदु पर चर्चा करते हुए बताया कि आज सूचना आयुक्त रिटायर्ड ब्यूरोक्रेट्स नियुक्त किए जा रहे हैं जो सिर्फ शासन सत्ता के पक्ष में ही निर्णय देते हैं ऐसे में प्रारंभ से ही नियुक्ति के समय सही सूचना आयुक्तों की नियुक्ति हो और वहां पारदर्शी व्यवस्था कायम रहे इसके लिए प्रयास किए जाने चाहिए। आरटीआई कानून के गठन के 17 वर्ष होने को हैं और सूचनाएं आमजन को उपलब्ध नहीं हो पा रही है जो स्वयं ही अपने आप में प्रश्न खड़ा करता है।

कार्यक्रम का संचालन एक्टिविस्ट शिवानंद द्विवेदी के द्वारा किया गया जबकि सहयोगीयों में अधिवक्ता नित्यानंद मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार मृगेंद्र सिंह सम्मिलित रहे। कार्यक्रम में धारा 18 और 19 की शक्तियों को लेकर छत्तीसगढ़ से आरटीआई कार्यकर्ता देवेंद्र अग्रवाल ने राहुल सिंह के समक्ष कुछ प्रश्न रखे जिसका उन्होंने उत्तर दिया।

RTI कार्यकर्ता विपिन अग्रवाल के हत्या कांड और उनके पुत्र की हत्या संबंधित विषय पर हुआ चर्चा

कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी ने भी अपने विचार रखे और नितिन अग्रवाल और उनके पुत्र के आत्महत्या और हत्याकांड वाले मामले पर कहा कि इस पर बहुत जल्द एक पत्र संबंधित हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस और साथ में वहां के मुख्यमंत्री और चीफ सेक्रेटरी को भेजे जाएंगे। पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त ने यह भी कहा की सूचना आयोग में सूचना आयुक्त का पद सबसे महंगा होता है और उसके अनुपात में देखा जाए तो कम से कम 15 से 20 वर्कर्स उपलब्ध होने चाहिए लेकिन मध्यप्रदेश की तरह कई सूचना आयोगों में पर्याप्त संख्या में वर्कर्स न होने के कारण सूचना आयोग का कामकाज प्रभावित हो रहा है इसके विषय में भी चर्चाएं की जाएं और आरटीआई एक्टिविस्ट इस विषय पर प्रश्न खड़ा करें। पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप ने सूचना आयोग की समस्याओं को लेकर अपनी बात रखी और कहा कि इसके दूसरे पहलू पर भी ध्यान देना चाहिए और कई अच्छे निर्णय आ रहे हैं जो चर्चा का विषय नहीं बन पाते लेकिन उससे पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ रही है।

कार्यक्रम में देर से जुड़े मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह ने उपस्थित दर्जनों आरटीआई उपयोगकर्ताओं के प्रश्नों का उत्तर दिया और बिहार की विपिन अग्रवाल हत्याकांड वाली घटना और उसके बाद विपिन अग्रवाल के पुत्र के द्वारा आत्महत्या किए जाने को आरटीआई के इतिहास में और साथ में मानवता के इतिहास में एक दुखद घटना बताया और कहा कि हम ऐसे चुपचाप बैठकर नहीं देख सकते और सबको मिलकर इस विषय में प्रयास करने चाहिए जिससे भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो।